डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09/अंक : 01/मूल्य: 10 रुपए/पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार पत्र | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर, मंगलवार, 21 जून, 2022

सभी सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं को हिलव्यू समाचार के 9वें स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लगातार परवान चढ़ रहा जयपुर कॉलेज का अवैध निर्माण और दम तोड़ रही युनेस्को सूची में परकोटे की पहचान...

नगर निगम हेरिटेज की अनुमति के बिना बन रहा जयपुर कॉलेज की जगह पर अवैध आलीशान कॉम्प्लेक्स व होटल

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। परकोटा चार दिवारी हो या आदर्शनगर, राजापार्क का पॉश एरिया। यहाँ अतिक्रमण और अवैध निर्माण सर चढ़कर बोल रहा है।

यूडीएच मंत्री शांति धारिवाल शहरों के नवनिर्माण की धुन में अपना सर धून रहे हैं और इधर लगातार ऐतिहासिक धरोहरें ज़मीदोज़ होकर लुप्तप्रायः हो रहीं हैं।

भूमाफ़ियाओं व अवैध निर्माणों में लिप्त बिल्डरों के हौसले बुलंद हैं। शासन से सरकार तक गुहार लगाई जा चुकीं हैं जागरूक नागरिकों द्वारा,पत्र-पत्रिकाओं,मीडिया द्वारा लेकिन अंधेर नगरी चौपट राजा चरितार्थ हो रहा है।

ऐसा लगता है जैसे सत्ता और शासन का ही इशारा है कि जल्दी करो चुनावी समय क़रीब है। प्रशासन कठपुतली बना मूक-बधीर बन गया है। कहीं लिप्त है तो कहीं लापरवाह।

अवैध बिल्डिंगस,अवैध कॉम्प्लेक्स, अवैध होटल,रेस्टोरेंट, ढाबे,मिठाई की दुकानें,पब, बार बिना लाइसेंस चल रहे हैं। व्यवसायिक भूमि पर नहीं बल्कि आवासीय भवनों में धड़ल्ले से चल रहे हैं। कोई कहने सुनने वाला नहीं।

यूँ लगता है जैसे होड़ मची है चारों ओर चोरी की और हर कोई अव्वल आ रहा है। प्रदेश की सम्पत्ति, वैश्विक गरिमा और पहचान अपना अस्तित्व खो रही हैं। दिसम्बर में युनेस्को की टीम का फिर दौरा होगा और परकोटा क्षेत्र के अवैध निर्माण खुले आम मुँह उठाये खड़े होंगे।

नाना जी की हवेली सहित लगभग 60-70 अवैध निर्माण परकोटा चार दिवारी में चल रहे हैं जिन्हें रोकने का दम किसी का नहीं दिखता।

दिन-ब-दिन मट्टियों की आग में भभकता जा रहा है गुलाबी शहर जयपुर

किशनपोल विधायक अमीन कागज़ी हों या आदर्शनगर के विधायक रफ़ीक़ पठान दोनों विधानसभा क्षेत्र होड़ में लगे हैं अवैध निर्माण की। लगातार कमर्शियल होते आवासीय भवन हों या बढ़-चढ़ कर चल रहे अवैध निर्माण और अतिक्रमण आख़िर दोनों विधायकों को सरकार का आशिर्वाद क्यों प्राप्त है कि कोई प्रश्न खड़ा नहीं होता उनकी कार्यशैली और लापरवाही पर ?

कुछ माह पूर्व, जयपुर कॉलेज

रामगली न.07, प्लॉट सी-59 के पास, आदर्शनगर राजापार्क

आज जयपुर कॉलेज

राजापार्क गली नं.07

ले शपथ...ले शपथ...अग्निपथ...अग्निपथ

(गत सप्ताह इस योजना को लेकर की गई बयानबाज़ी सभी राजनैतिक दलों द्वारा पर एक दृष्टि)

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। योजना, अभियान या मिशन कोई भी कोई भी तात्कालीन सरकार लेकर आये उसकी सार्थकता और राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय स्तर पर उसका प्रभाव उसके मायने तय करता है। दृष्टिकोण को वृहद स्तर का रखेंगे तो हर कार्य की परिणीति साफ नजर आ सकती है।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता है कि वो सर्वधर्म संभावी देश रहा है। हर धर्म,जाति, समाज,वर्ग को वरीयता दी।गयी है। किसी के साथ कोई दुर्भाव भेदभाव नहीं।

रूस यूक्रेन के युद्ध ने भावी अंतराष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित किया है। अमेरिका का रूख़ यह साफ ज़ाहिर करता रहा है कि जिधर शक्ति ज़्यादा है अमेरिका उधर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अपना समर्थन देता आया है।

भारत विश्व में बड़ी जनसंख्या व बड़े भूभाग वाले देशों में शुमार रहा है।ऐसे में इसमें होने वाली हल्की सी हलचल भी विश्व का ध्यानाकर्षण करती रही हैं।

अग्निपथ योजना के लागू होते ही देश में हर बार की तरह विरोध और समर्थन की हवा बहने लगी। धरने, आंदोलन, प्रदर्शन आगजनी ने देश की शांति को एक बार फिर से ग्रहण लगा दिया। आख़िर ये युवावर्ग कहाँ छुपा होता है जो मौक़ा मिलते ही उछल कर मैदान में आ खड़ा होता है। कभी-कभी तो इस वर्ग को ये पता नहीं होता कि आख़िर वो विरोध की इस भीड़ में शामिल क्यों है?

बचपन में सुनी एक कहानी याद आती है इस बात पर

गली का एक कुकुर जल्दी जल्दी कहीं जा रहा था उसे दूसरे कुकुर ने देखा,वह भी पीछे हो लिया। कुछ आगे जाने पर तीसरे ने फिर चौथे ने, जो कुकुर इस कुकुर लाइन को जल्दी जल्दी जाते देखता साथ हो लेता।

आख़िर सबसे पहले वाला रुका तो सब रुक गए पहले वाले ने लघुशंका की और साइड में बैठ गया। सबने एक दूसरे से पूछा कि हम जा कहाँ रहे थे....आख़िर अंत में सबने पहले वाले से पूछा तो वह बोला.....हम? मैं तो बस इस खम्बे के पास आ रहा था लघुशंका करने। हमारे देश की दुविधा ही यही रही है कि हम भेड़ चाल के आदि हो गए हैं। देश दलों में बंट गया है। आवाम का कोई अस्तित्व नहीं रहा। हर एक नागरिक किसी न किसी दल से प्रभावित है और यही कारण है कि एक न एक वर्ग हमेशा वंचित रहता है।

नेशनल हेराल्ड केस व अग्निपथ के विषय पर कांग्रेस द्वारा विरोध एवं अग्निपथ के पक्ष में बीजेपी द्वारा की गयी प्रेस कॉन्फ्रेंस एक नज़र में...

16 जून को कॉग्रेस कार्यालय में अग्निपथ पर अपना विरोध दर्ज करने के सम्बंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई जिसमें पीसीसी प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रताप सिंह खाचरियावास खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,केबिनेट मंत्री,महेश जोशी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं भूजल विभाग,कैबिनेट मंत्री,परसादीलाल मीणा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और राज्य उत्पाद शुल्क के कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे।

हिलव्यू समाचार द्वारा प्रेस कांफ्रेंसों में किए गए प्रश्न

1.अग्निपथ योजना का विरोध क्यों कर रही है कांग्रेस, जबकि यह योजना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को मज़बूत बनाती है?

उत्तर: (गोविंद सिंह डोटासरा जी द्वारा)

किस अख़बार से हैं आप? (दो-तीन बार इधर-उधर देखते हुए अख़बार का नाम भी पूछा) यह योजना युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और सेना का अपमान है। सेना आहत है इस फैसले से। क्या आप चाहती हैं कि सेना भी ठेके पर चली जाए? यह योजना कतई लाभदायक नहीं युवावर्ग के लिए। इससे युवाओं बेरोज़गार और आतंकवादी बनाया जा रहा है।

- 18 जून को राज्य मंत्रिपरिषद में अग्निपथ को वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया गया। ऐसा करने वाला राजस्थान पहला राज्य बना।
- 18 जून इस केबिनेट मीटिंग के बाद सचिवालय हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रताप सिंह खाचरियावास खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,केबिनेट मंत्री,राज.सरकार एवं ममता भूपेश महिला एवं बाल विकास विभाग (स्वतंत्र प्रभार), जनअभियोग निराकरण, अल्पसंख्यक मामले और वक्फ मंत्री,राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित की गई।

प्रश्न खाचरियावास जी व ममता भूपेश जी से

1.नेशनल हेराल्ड केस में राहुल जी की पेशी पर कांग्रेस इतनी उत्तेजित क्यों है जबकि कांग्रेस का सिद्धान्त है कि आरोपों की निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए?

उत्तर: (खाचरियावास जी द्वारा)

नेशनल हेराल्ड केस का राहुल से कोई सम्बन्ध नहीं। ये तो उस वक्त पैदा भी नहीं हुए थे। आप जानती हैं नेशनल हेराल्ड कब आया था अस्तित्व में ?

(प्रश्न से प्रभावित होकर खाचरियावास द्वारा सेल्फ डिफेंस में किया गया उलटवार सवाल)

राहुल जी, प्रियंका जी,सोनिया जी का इस केस से कोई लेना देना नहीं। बस कॉग्रेस को बदनाम करने के तरीक़े ढूँढ़ रही है केंद्र सरकार।

उत्तर (ममता भूपेश जी)

नेशनल हेराल्ड केस पर एफआर लग चुकी है। राहुल जी व कॉग्रेस पार्टी को यूँ ही परेशान किया जा रहा है।

18 जून को ही शाम 7 बजे भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस की पूर्व प्रेस कांफ्रेस को उलटवार जवाब

जिसमें हिलव्यू समाचार का प्रश्न

1. लगातार कांग्रेस मैसेज फैला रही है कि सेना आहत है, सेना अपमानित है कि अग्निपथ योजना के माध्यम से सेना के अधिकारों का हनन किया गया है?

उत्तर : (राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा)

अग्निपथ में सेना की सहमति व भागीदारी शत-प्रतिशत है। जैसा कि मैंने पहले भी मीडिया में कहा है कि यह योजना तीनों सेना के प्रमुखों की देखरेख में ही बनाई गई है। देश-विदेश के दौरे करके इसे तैयार किया गया है। यह योजना भारत को ही नहीं हर युवा को नई दिशा व सोच देगी। कॉग्रेस पार्टी को मैं आगाह करता हूँ कि भ्रामक और झूठा प्रसार-प्रचार बन्द करे। युवाओं को भड़काकर प्रदेश की शांति भंग न करें। यह अतंराष्ट्रीय स्तर तक भारत को मज़बूत करने वाली स्कीम है इसका हमें स्वागत करना चाहिए।

तीनों सेना प्रमुखों ने दिए जवाब...

'अग्निपथ' योजना पर तीनों सेनाओं ने केंद्रीय स्तर पर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हिंसक प्रदर्शन के पीछे साजिश है। सेना ने कहा कि कोचिंग संचालक युवाओं को भड़का रहे हैं।रविवार दोपहर लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही। तीनों सेनाओं की ओर से 'अग्निपथ' योजना को लेकर जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई थी। इसी के दौरान पुरी ने कहा कि जिन लोगों ने विरोध-प्रदर्शनों में हिस्सा लिया, उन्हें अग्निपथ का हिस्सा बनने नहीं दिया जाएगा। युवाओं को एक हलफनामा देना होगा कि उसने किसी विरोध, प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया है। सेना, नौसेना और वायुसेना की ओर से भर्ती प्रक्रिया की टाइमलाइन पर भी जानकारी दी गई। इससे पहले तीनों सेनाओं के प्रमुखों से रविवार सुबह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुलाकात भी की थी। **(क्रमशः पेज दो पर)**

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

एक सरकार दो विभाग दो नियम?

फूडीज सिटी जयपुर

क्या फ़ूड लाइसेंस के साथ-साथ जानमाल की सुरक्षा के लिए RMA लाइसेंस व फायर एनओसी ज़रूरी नहीं होनी चाहिए?

सीएमएचओ विभाग फ़ूड लाइसेंस जारी करता है और नगर निगम आरएमए लाइसेंस नहीं...क्यों? क्योंकि आवासीय भवन में व्यवसायिक गतिविधि होना ही इसका सबसे बड़ा रोड़ा है आरएमए लाइसेंस को जारी करने में।

आसानी से फ़ूड लाइसेंस पाकर खाद्य व्यवसायी आवश्यकता ही नहीं समझता आरएमए लाइसेंस या फायर एनओसी की।

सरकार की यह कौनसी नीति है जिसके तहत आवासीय कॉलोनियाँ व क्षेत्र लगातार मुसीबत में पड़ते जा रहे हैं...?

1. ट्रैफ़िक बढ़ गया है जिससे आवागमन बाधित हो जाता है।
2. भीड़ भरा इलाक़ा होने के कारण असामाजिक तत्वों की गतिविधियाँ बढ़ रही हैं।
3. आवासीय क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण बढ़ गया है।
4. आवासीय क्षेत्रों की शांति भंग ही हो गयी है।
5. इन व्यवसायों से सरकारी रेवेन्यू के अवसर से लगभग बन्द ही हैं।
6. **सम्बंधित क्षेत्र के निगम अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधियों व नेताओं की कहीं न कहीं मिलिभगत व आपसी समझौते से यह अवैध व्यवसाय दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं।**

कोटा को शैक्षणिक नगरी कहा जाता है तो जयपुर को गुलाबी नगरी। इसी के साथ-साथ जयपुर ज़िंदादिली से जीने वालों का शहर भी प्रमाणित हुआ है। कोई भी मेला हो,उत्सव हो तीज हो त्यौहार हो जयपुर की एक पहचान और बन गयी है कि यह फूडीज़ सिटी भी बन गया है।

खाद्य व्यवसाय होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबे यहाँ ढेर सारे मिल जाएंगे। हर गली, मोहल्ले यहाँ तक कि पॉश इलाकों में भी स्ट्रीट फ़ूड और फ़ूड इंडस्ट्रीज ढेर सारी मिल जाएंगी।

खाद्य सुविधा व सुरक्षा को राजस्थान सरकार ने प्राथमिकता से लिया है किंतु नियमों की विसंगतियों के कारण इस व्यवसाय में अवैध गतिविधियों को बल मिल गया है। फूड लाइसेंस की जटिल प्रक्रिया को सरल किया जाना प्रशंसनीय है किंतु खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ जानमाल की सुरक्षा कौन देगा। इस गम्भीर प्रश्न का कोई जवाब नहीं ?

होटल, रेस्टोरेंट और खानपान की दुकानों पर घरेलू सिलेंडर का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है। प्रदूषण विभाग के लाइसेंस के बिना शहर में चारों ओर दुकानों पर भट्ठियां धधक रही हैं। इससे सरकारी राजस्व की क्षति के साथ ही पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इसी के साथ सबसे बड़ी बात आवासीय क्षेत्रों में व्यवसायिक गतिविधियाँ लगातार बढ़ गईं हैं। कोई कहने सुनने वाला नहीं । सरकार और उसके ज़िम्मेदार अफ़सर सब इस तमाशे में शामिल हैं।

इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा, नगर निगम ग्रेटर जयपुर के आयुक्त महेंद्र सोनी, नगर निगम ग्रेटर की स्वास्थ्य अधिकारी से संपर्क किया गया।

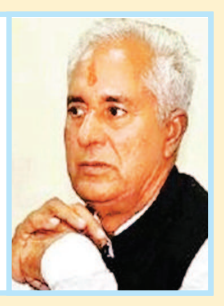

हमारा उद्देश्य रोज़गार के अवसर प्रदान करना है। फूड लायसेंस तो कैम्प के माध्यम से ही सरलीकरण के साथ बाँटे जाते हैं। बाक़ी जो विसंगतियाँ हैं उन्हें पुनः देखा जा सकता है

परसादीलाल मीणा
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और राज्य उत्पाद शुल्क के कैबिनेट मंत्री,
राजस्थान सरकार

हम्म.....ह..ह..ह...(अभिमानी मुद्रा में) मैं बाइट दूँगा....? इस बात के लिए ? जाइये मेरे पास कोई जवाब नहीं। (कहते हुए आगे बढ़ गए ग्रेटर नगर निगम आयुक्त महेंद्र सोनी)

नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त महेंद्र सोनी ज़मीन से दो क़दम ऊपर चलते हैं। आम जनता या मीडिया से रूबरू होने का उनके पास समय नहीं। इस विषय पर 8-10 बार मिलने का प्रयास किया जा चुका था। कुछ चुनींदा मीडियाकर्मी के साथ घण्टों बिताने वाले ये आईएएस अफ़सर गंभीर ज़िम्मेदारियों से लगातार विमुख हो रहे हैं। ग्रेटर निगम के पूर्व आयुक्त यज्ञमित्र से दो क़दम आगे के आयुक्त महेंद्र सोनी को ग्रेटर नगर निगम में पदस्थापित कर सरकार ने कौनसी समझदारी का परिचय दिया है?

मेरा अधिकार क्षेत्र बिना लाइसेंस के चलने वाले अवैध खाद्य व्यवसाय होटल, रेस्टोरेंट, कैफे,मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबे को नोटिस देना है। अगर फिर भी वो आरएमए लाइसेंस नहीं लेते हैं तो मुझे उस भवन या व्यवसाय को सीलबन्द या सीज करने का अधिकार नहीं। आयुक्त सर या अन्य उच्चाधिकारियों का अधिकार क्षेत्र है। मैं बार-बार सिर्फ़ नोटिस ही जारी कर सकती हूँ ।

रश्मि कांकरियाँ , स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

हिलव्यू समाचार राजधानी में अवैध निर्माणों व अवैध व्यवसायों पर लगातार प्रश्न उठाता आ रहा है। लेकिन शासन और प्रशासन की नींद कुंभकरणी हो गई है।

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

02

जयपुर » मंगलवार, 21 जून, 2022

संपादकीय

पुराने रजवाड़ों की बारातः ईडी के पास जाने में 'खातिरदारी' तक तो बात ठीक, मगर उधर से ही 'ससुराल' भेज दिया तो पता नहीं कब हो 'गौना'

उत्तर भारत में इन दिनों काफी गर्मी पड़ रही है। इतनी कि लोग बर्फ भी खरीदने जाते हैं तो दुकानदार से कहते हैं- भैया ठंडी ही देना। जाहिर है इतना ज्यादा तापक्रम किसी के भी सिर का वह हिस्सा हिला सकता है, जहां दिमाग होता है। इस गर्मी ने इस हिस्से में भी विस्फोट कर दिया है, जिसके अनेक प्रकार के साइड इफेक्ट्स सामने आ रहे हैं। वैसे तो ये साइड इफेक्ट्स तकरीबन हर क्षेत्र में दिखे हैं, किंतु राजनीति में सबसे ज्यादा। हालांकि आलोचक गण तो राजनीति को ही ज़िंदगी का सबसे बड़ा साइड इफेक्ट मानते हैं।

खैर, अपने देश में राजनीति-राजनीति खेलने का अच्छा और बड़ा स्टेडियम दिल्ली मानी जाती है। इसी दिल्ली के एक दिलेर नेताजी की याददाश्त ने आजकल हड़ताल कर दी है। नहीं समझे। इतिहास में एक हुए हैं अजातशत्रु। इन अजातशत्रु के दूर के रिश्तेदार हैं-बुद्धिशत्रु। इन्होंने एक नई थ्योरी खोजी है। जिसके मुताबिक पंचतत्वों से बनी इस काया का हर अंग स्वतंत्र रूप से हड़ताल करने के लिए स्वतंत्र है। अर्थात जिसे मेडिकल भाषा में कब्ज कहा जाता है, वह दरअसल एक अंग विशेष की हड़ताल होती है।

इसी थ्योरी के तहत नेताजी के साथ धोखा हो गया। उनकी याददाश्त ने उन्हें धोखा दिया तो बेचारे ये भी भूल गए कि उनके पास जो संपत्ति है, वह धोखे से उनके पास आ गई या किसी को धोखा देकर लाई गई। धोखे से आवागमन करने वाली संपत्ति का हिसाब-किताब प्रवर्तन निदेशालय रखता है। जिस प्रकार पतिव्रता महिलाएं अपने पति का नाम न लेकर उन्हें 'एजी' या 'ओजी' जैसे संबोधनों से बुलाती हैं। ठीक उसी प्रकार इसे 'ईडी' कहकर सम्मान दिया जाता है। आजकल कई सम्मानित लोग इस सम्मानित विभाग के फेरे लगा रहे हैं।

देश की वयोवृद्ध पार्टी के अधेड़ युवा नेता को भी पिछले दिनों वहां जाने का परम सौभाग्य हासिल हुआ। ये उनके या उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी पार्टी के लिए गर्व की बात थी। लिहाज़ा हजारों कार्यकर्ता सैकड़ों वाहनों और लाव लश्कर के साथ गगनभेदी नारे लगाते हुए निकल पड़े। वाकई आँखों में स्थायी रूप से बसा लेने वाला नयनाभिराम दृश्य था। ऐसा दृश्य तो पुराने रजवाड़ों की बारात में भी शायद देखने को नहीं मिलता था। बस आकाश से पुष्प वर्षा की कमी रह गई। वरना नारे रूपी मंगल गीत तो कानों में मिसरी घोल ही रहे थे।

देश की वयोवृद्ध पार्टी के अधेड़ युवा नेता को भी पिछले दिनों वहां जाने का परम सौभाग्य हासिल हुआ। ये उनके या उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी पार्टी के लिए गर्व की बात थी। लिहाजा हजारों कार्यकर्ता सैकड़ों वाहनों और लाव लश्कर के साथ गगनभेदी नारे लगाते हुए निकल पड़े। वाकई आंखों में स्थायी रूप से बसा लेने वाला नयनाभिराम दृश्य था। ऐसा दृश्य तो पुराने रजवाड़ों की बारात में भी शायद देखने को नहीं मिलता था। बस आकाश से पुष्प वर्षा की कमी रह गई। वरना नारे रूपी मंगल गीत तो कानों में मिसरी घोल ही रहे थे।

हालांकि इस कवायद के कई अर्थ भी निकाले गए। दर्शकों के एक वर्ग के अनुसार इस तरह के जुलूसों ने उन अपराधियों को नई राह दिखाई है, जो समन मिलने पर सिर झुकाकर, छुपते-छुपाते, चोरों की तरह ईडी या पुलिस के पास पूछताछ के लिए पेश होते थे। दूसरे वर्ग के मुताबिक यदि इसे बारात माना जाए तो वर्षों से कुंवारे बैठे लोगों के लिए अच्छा अवसर है। अब तो खुद से खुद की शादी करने की मिसाल भी सामने है। ढूंढ़-ढांढ़कर कुछ अच्छे किस्म के लोग जुटाइए और नाचते-गाते जाकर खुद को डोली में बिठाकर विदा करा लाइए।

तीसरे वर्ग की प्रतिक्रिया कुछ खतरनाक थी, लेकिन उसमें भी चिर कुंवारों के लिए आशा का संदेश था। इस वर्ग का कहना था कि लाव लश्कर के साथ जाने में 'खातिरदारी' तक तो बात ठीक है मगर उसके बाद उधर से ही 'ससुराल' भेज दिया तो पता नहीं 'गौना' कब हो? चौथे वर्ग के आशावादी लोगों ने इसे नकारात्मक सोच या विधवा प्रलाप की संज्ञा दी तो पांचवां वर्ग बिफर उठा। उसने व्याकरण को आधार बनाकर कहा, 'यहां विधवा प्रलाप हो ही नहीं सकता, क्योंकि विधवा केवल महिलाएं होती हैं। यह पुरुषों का मामला है। अतः विधुर प्रलाप तो संभव है, मगर प्रलाप के लिए विवाहित होना भी आवश्यक है। और यहां विवाह ही सबसे बड़ी समस्या है। इसलिए कोई प्रलाप नहीं बनता मी लार्ड।

गर्मी के साइड इफेक्ट्स जारी हैं। जिसमें ज्ञान की कई बातें सामने आई हैं। वैसे शास्त्रों में ज्ञान प्राप्त करने के तीन साधन बताए गए हैं- अध्ययन, प्रवचन और पर्यटन, लेकिन इधर महानायक अमिताभ बच्चन एक टीवी विज्ञापन में जोर-शोर से बता रहे हैं कि ज्ञान जहां से भी मिले, उसे प्राप्त कर लेना चाहिए। उनकी इस बात से प्रभावित होकर कुछ लोग ज्ञान की खोज में दसों दिशाओं में निकल गए और प्रशासन के नोटिस, अदालतों के समन और तशरीफ पर ज्ञान की गहरी छाप लेकर लौटे।

ले. जनरल अमरदीप सिंह भिंडर ने अग्निपथ योजना की दी जानकारी

जयपुर। राजस्थान। में 15 जून को डिफेंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस साउथ वेस्टर्न कमांड के आर्मी लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भींडर अग्निपथ योजना के लाभ व सार्थकता पर प्रकाश डाला।

कमांडिंग इन चीफ साउथ वेस्टर्न कमांड ले. जनरल अमरदीप सिंह भिंडर ने जयपुर में प्रेसवार्ता कर अग्निपथ योजना को लेकर जानकारी दी। सेना में शामिल होने पर अग्नि वीरों को महीने में लगभग 30 हजार रुपए की सैलरी मिलेगी जिसमें से लगभग 9 हजार उनकी सेविंग होगी और उतना ही हिस्सा सेना भी उनकी सेविंग में मिलाएगी. दूसरे साल में सैलरी के अंश के साथ-साथ सेविंग का अंश भी बढ़ेगा और 4 साल बाद जब वह सेना को छोड़ेंगे तब उन्हें लगभग 11 लाख 70 हजार का पैकेज दिया जाएगा। यही नहीं सेना की तरफ से एक विशेष सर्टिफिकेट भी उनके करिकुलम को यूनिक बनाएगा. इससे पहले होने वाले सभी भर्ती इम्तिहान जिनके परिणाम लंबित हैं उन्हें अब रद्द माना जाएगा। अग्निपथ योजना की घोषणा के बाद से अब सेना, वायु सेना और नौसेना में होने वाली सभी भर्तियां नए सिरे से होंगी।

सेना में भर्ती होकर देश सेवा की ख्वाहिश रखने वाले युवाओं के लिए अग्निपथ योजना एक सुनहरा मौका माना जा रहा है। केंद्र सरकार की यह योजना नई है तो इसमें कुछ चुनौतियां भी हैं, लेकिन सेना एक रोड मैप बनाकर इन सभी चुनौतियों पर काम कर रही है. देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर भारतीय सेना देश सेवा का जज्बा लिए अग्निपथ योजना के तहत सेना में आने वालों की योग्यता के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। ताकि सेना की ताकत, जोश, जज्बा और ऑपरेशनल रेडिनस बरकरार रहे।

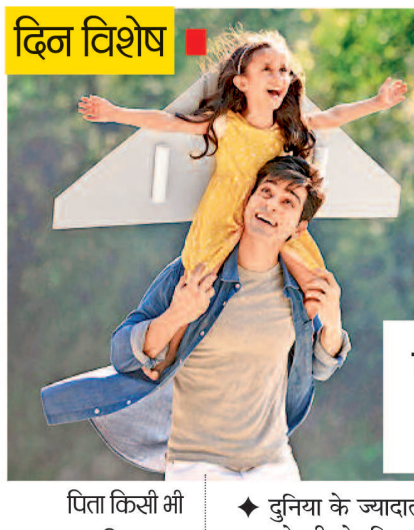

दिन विशेष

एक बेटी ने की थी फादर्स डे की शुरुआत

सोनोरा लुईस स्मार्ट ने 112 साल पहले मनाया था पितृ दिवस

पिता किसी भी परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है. बच्चों के प्रति उसका प्यार और समर्पण की कोई सीमा नहीं. एक पिता अपनी तमाम इच्छाओं को बच्चों के लिए कुर्बान कर देता है. परिवार की जिंदगी में खुशहाली लाने के लिए जी-तोड़ मेहनत करता है. इसलिए जरूरी है कि उसके निस्वार्थ प्रेम और अथक प्रयास का सम्मान किया जाए.

✦ दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में हर साल जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाया जाता है. पिता के योगदान और उनके बच्चों के जीवन में उनके महत्व को पहचानने के लिए इस दिन की शुरुआत की गई. यह दिन विशेष रूप से समाज में पिता द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका का सम्मान करने और जश्न मनाने के लिए समर्पित है.

✦ इस दिन की शुरुआत संभवतः अमेरिका से हुई थी. इसकी शुरुआत वाशिंगटन में सोनोरा लुईस स्मार्ट नामक एक महिला ने की थी. छोटी उम्र में ही सोनोरा ने अपनी मां को खो दिया था. इसके बाद से सोनोरा के पिता ने ही पूरे परिवार का पालन-पोषण किया और पिता के साथ-साथ एक मां का फर्ज भी अदा किया.

1910 में पहली बार मनाया गया था

✦ यह दिन वर्ष 1909 में सोनोरा ने किसी सभा में मातृ दिवस के बारे में सुना. तब उन्हें यह विचार आया कि अगर मां की ममता के लिए एक दिन समर्पित किया जा सकता है तो पिता के योगदान के लिए क्यों नहीं? उन्होंने इसे आधिकारिक दिन बनाने के लिए संघर्ष किया, लोगों से बात की, तब जाकर कई स्थानीय पादरियों ने इस विचार को स्वीकार किया. 19 जून 1910 को पहला अनौपचारिक फादर्स डे मनाया गया था.

✦ सभी देश एक ही तिथि पर पिता दिवस नहीं मनाते हैं. भारत, अमेरिका और कुछ अन्य देशों में जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाया जाता है. पुर्तगाल, स्पेन, क्रोएशिया और इटली सहित अन्य देशों में 19 मार्च का दिन पिता को समर्पित किया है. वहीं ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी और पापुआ न्यू गिनी में सितंबर माह में फादर्स डे मनाया जाता है.

पापा के लिए करें कुछ स्पेशल

- उनके कमरे को खास तरह से डेकोरेट कर सकते हैं.
- उनका पसंदीदा पकवान बनाएं.
- उन्हें एहसास कराएं कि आपके लिए वे दुनिया के सबसे अच्छे पिता हैं.
- उनके त्याग-तपस्याओं के सम्मान में प्यार जताएं और दिल की बात कहें.
- अच्छा सा उपहार दें.
- साथ में भोजन करें.

अब सिर्फ अग्निपथ के जरिए ही तीनों सेनाओं में भर्ती होगीः ले. जनरल पुरी

ले. जनरल अनिल पुरी ने कहा कि 'अग्निपथ' योजना के ख़िलाफ़ युवाओं को भड़काया गया। उन्होंने कोचिंग संचालकों को जिम्मेदार बताया। पुरी ने जानकारी दी कि भर्ती में शामिल होने वाले हर अभ्यर्थी को यह एफिडेविट देना होगा कि उसने किसी प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया, कोई केस दर्ज नहीं हुआ। ये प्रावधान कर दिए गए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुरी ने युवाओं से कहा कि 'जो भी युवा इधर-उधर घूम रहे हैं भटक रहे हैं वह अपना समय बर्बाद नहीं करें क्योंकि किसी के लिए भी फिजिकल टेस्ट पास करना उतना आसान नहीं होता है। उनसे गुजारिश है कि वह अपना पूरा ध्यान अगले महीनों में होने वाले टेस्ट पर लगाएं।'

नौसेना की तरफ से वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पर ज्यादातर काम कर लिया गया है। एयरफोर्स की तरह हमारा रीक्रूटमेंट भी ऑनलाइन होता है। 21 नवंबर 2022 को पहला अग्निवीर चिल्का के बेसिक ट्रेनिंग सेंटर में रिपोर्ट करना शुरू कर देगा।

भारतीय वायुसेना की तरफ से एयर मार्शल एसके झा ने बताया, द्रूस में 24 जून से भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ऑनलाइन नोटिफिकेशन उस दिन जारी की जाएगी। एक महीने बाद, 24 जुलाई से फेज 1 एग्जाम की प्रक्रिया शुरू होगी। दिसंबर के अंत तक अग्निवीरों के पहले बैच को एनरोल कर लेंगे। 30 दिसंबर से पहले बैच की ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी।

ले. जनरल पुरी ने साफ किया कि अग्निवीरों को लेकर विभन्नि मंत्रालयों और विभागों के ऐलान पहले से तय थे। ये कदम अग्निपथ योजना की घोषणा के बाद हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के जवाब में नहीं उठाए गए।

ले. जनरल अनिल पुरी ने यह भी कहा, 'ऐमजॉन-फ्लिपकार्ट का नाम आपने आज सुना है... हम जब से खड़े हुए हैं, तब से यही कर रहे है। बस हम पैकेट की जगह बम लेकर चलते हैं।'

TEESRI आँख

सृष्टि का चक्र

अवंतिका नगर के नागरिक बहुत परेशान थे क्योंकि उनकी फसल जब पनपने को होती, पक्षी उसे खा जाया करते थे. फसल बचाने के लिए उन्होंने सोचा कि कोई ऐसी युक्ति निकाली जानी चाहिए जिससे यह व्यर्थ का कार्यभार कम हो. इस हेतु नगर की प्रजा राजा के पास गई. जनता की समस्या सुन राजा को बड़ा क्रोध आया. समस्या की गंभीरता को समझते हुए राजा ने सैनिकों को आदेश दिया कि नगर के सारे पक्षियों को मार दिया जाए. सैनिकों ने आदेश माना और नगर के सभी पक्षियों को मार दिया. फिर क्या, सभी नागरिक खुश हो गए और खेती की नई तैयारी में जुट गए. बहुत अरमानों के साथ बीज बोये गए और पक्षियों का डर न होने के कारण किसी को पहरेदारी नहीं करनी पड़ी. लेकिन जब फसल काटने का वक्त आया तो अगले वर्ष अनाज बोने तक के लिए भी अनाज नहीं मिला. यह देख सभी अचरज में थे. फिर से वह लोग राजा के पास पहुंचे. तब राजा ने समस्या का पता लगवाया. जिसके बाद सभी को ज्ञात हुआ कि मिट्टी में जो कीड़े थे, उसने सभी बीजों को खा लिया. पहले पक्षी उन कीड़ों को खा लेते थे जिससे फसल की रक्षा होती थी. पक्षी न होने के कारण नागरिकों पर भूखे मरने की नौबत आ गई. यह जानकर सभी नगरवासियों व राजा को अपनी भूल का एहसास हुआ. समस्या के समाधान के लिये सभी नगरवासियों ने पक्षी पाले. साथ ही पास के नगर से पक्षी लाए गए. तब कहीं जाकर कुछ वर्षों में नगर की व्यवस्था में सुधार आया.

– इससे सभी को ज्ञान मिला कि पृथ्वी पर सभी प्राणी का विशेष महत्त्व है. सभी जीवन के लिए एक दूसरे पर निर्भर करते हैं. पृथ्वी में कोई भी प्राणी का जन्म व्यर्थ नहीं है. संतुलन बनाए रखने के लिए सभी को एक दूसरे का सहयोग कर जीवन यापन करना चाहिए. यह सृष्टि का चक्र है.

VISHVA विभूति

मैक्स मूलर जर्मनी के थे और इनके बारे में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि पश्चिमी दुनिया में अगर किसी ने वेदांत के मर्म को समझा है तो वो हैं मैक्स मूलर.

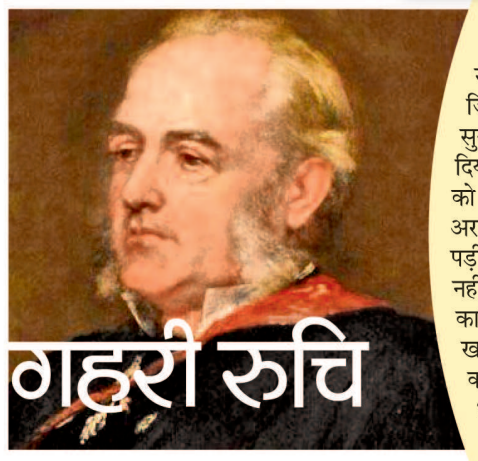

संस्कृत में गहरी रुचि रखते थे मैक्स मूलर

6 दिसंबर 1823 को पैदा हुए मैक्स मूलर को 16 साल की उम्र से ही संस्कृत में गहरी रुचि पैदा हो गई थी और इसी की वजह से उन्होंने 'सेक्रेड बुक्स ऑफ द ईस्ट' के नाम से 50 खंड लिखे हैं जिनमें शामिल है ऋग्वेद का भाष्य और उपनिषदों के अनुवाद. मैक्स मूलर के पिता विल्हेम मूलर श्रृंगार रस के कवि थे और उनकी मां जर्मनी के एक प्रांत के मुख्यमंत्री की बेटी थीं. मैक्स मूलर ने संस्कृत के अलावा फारसी और अरबी भी पढ़ी. उन्होंने भारतीय धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ईस्ट इंडिया कंपनी के ब्रिटेन लाए गए दस्तावेजों, ब्रम्हसमाज के भारतीय सदस्यों और ऑक्सफोर्ड जैसे जाने-माने विश्वविद्यालयो में अन्य यूरोपीय विद्वानों के साथ मिलकर किया. कुछ हिंदू लेखकों और ईसाई धर्मगुरुओं के द्वारा उन्हें आलोचना भी सहनी पड़ी. लेकिन भारत के बारे में मैक्समूलर ने लिखा है, "अगर कोई मुझसे पूछे कि प्रकृति प्रदत्त गुणों का किस मानव मस्तिष्क ने सबसे बेहतर उपयोग किया है, किसने जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का गहराई से अध्ययन किया है – और वो कौन है जिसके साहित्य और ज्ञान को प्लेटो और कांट के दर्शन को समझने वालों को भी पढ़ना चाहिए, तो मैं उसे भारत का रास्ता बताऊंगा."

नॉलेज बाइट

बरमूडा ट्रैंगल

यह अटलांटिक महासागर का एक काल्पनिक क्षेत्र है जहां बहुत से जहाज, नौकाएं और विमान रहस्यमय परिस्थितियों में गायब होते रहे हैं. अगर विश्व का मानचित्र देखें और बरमूडा द्वीप, पोर्तो रिको और अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के दक्षिणी कोने को सीधी रेखाओं से जोड़ें तो कोई 40 लाख किलोमीटर का एक त्रिकोणीय क्षेत्र बनता है. इसी को बरमूडा त्रिकोण कहते हैं. ऐसे दावे किए गए हैं कि यह खतरनाक क्षेत्र है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यहां हुई दुर्घटनाओं की संख्या किसी अन्य क्षेत्र से अधिक नहीं है और इन्हें बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है. जहां तक रहस्यमय परिस्थितियों का सवाल है तो उसकी भी व्याख्या की गई है. अमेरिका के भूविज्ञान सर्वेक्षण का कहना है कि यहां मीथेन हाइड्रेट्स के क्षेत्र हैं जिनसे जब-तब मीथेन गैस के विशाल बुलबुले निकलते हैं. इनका परिणाम यह होता है कि पानी झागदार हो जाता है जो जहाजों को तैरने योग्य नहीं रहता, जिस कारण जहाज बड़ी तेजी से डूब सकते हैं. मीथेन गैस से विमान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं क्योंकि मीथेन का घनत्व हवा जितना नहीं होता और विमान टिका नहीं रह पाता. इसके अलावा समुद्र में कभी-कभी 100 फिट ऊंची लहरें भी उठ सकती हैं जो किसी भी जहाज को डुबा सकती हैं.

BRAIN जिम

1) उस अंतरिक्ष स्टेशन का नाम क्या था जिसमें राकेश शर्मा अपने समय में रहे थे?
- सैल्यूट-7

2) मार्च 2020 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा किस झील को 'जीवित इकाई' घोषित किया गया था?
- सुखना झील

3) किस शहर ने नवंबर 2021 में दीपावली के अवसर पर 9 लाख से अधिक दीये जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया?
- अयोध्या

4) कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' के प्रशंसक किस कवि ने संस्कृत नाटक 'मालती माधव' लिखा?
- भवभूति

5) किस अभिनेता का मूल नाम देवदत्त पिशोरीमल था?
- देव आनंद

6) किस लोकनृत्य के साथ 'बोलियान' के संगीतमय छंद हैं?
- गिद्दा

7) वड़ोदरा का पुराना नाम वड़ाप्रदाका का शाब्दिक अर्थ किन पेड़ों के बीच का गांव होता है?
- बरगद

8) तेल और प्राकृतिक गैस-आयोग का मुख्यालय कहां पर स्थित है?
- देहरादून

9) 42वें संशोधन द्वारा प्रस्तावना में कौन-से शब्द जोड़े गए?
- समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष व अखंडता

10) भारत में सबसे अधिक वर्षा किस मानसून से होती है?
- दक्षिणी-पश्चिमी मानसून

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

03

जयपुर » मंगलवार, 21 जून, 2022

राजभवन में हुआ योग समारोह

राज्यपाल कलराज मिश्र ने किए योग आसन और प्राणायाम

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मंगलवार को राजभवन में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कोई एक घंटे तक योग किया। राज्यपाल मिश्र ने इस दौरान योग से जुड़े गतिशील और स्थिर आसन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी आदि प्राणायाम भी किए। उन्होंने कहा कि यौगिक दिनचर्या से जीवन को स्वस्थ रखने के साथ ही मन को भी सदा सकारात्मक बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति है। श्री मिश्र ने बाद में योग साधना की भारतीय परम्परा की चर्चा करते हुए कहा कि प्राचीनकाल से ही योग व्यक्तिगत, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण से जुड़ी हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग की भारतीय संस्कृति का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसार 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय परम्परा का प्रमाण है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि योग करने से व्यक्तिगत चेतना का सार्वभौमिक चेतना से समन्वय होता है। इसी से जीवन में सभी स्तरों पर संतुलन बना रहता है। विश्व शांति और सद्भाव के लिए योग को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए इस महान परम्परा के वैश्विक संरक्षण और अधिकाधिक प्रसार के लिए समन्वित प्रयास किए जाने का आह्वान किया।

पुलिस महानिदेशक श्री एम एल लाठर मंगलवार को प्रातः एसएमएस स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग करते हुए।

राजस्थान में अग्निपथ का विरोधः कांग्रेस ने जयपुर में निकाली महारैली

युवा आक्रोश में, फैसला वापस लें सरकारः सीएम गहलोत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'अग्निपथ योजना' के विरोध में कांग्रेस ने महारैली निकाली। सीएम अशोक गहलोत ने अमर जवान ज्योति से तिरंगा दिखाकर रैली को रवाना किया। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र सरकार को घेरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए 'अग्निपथ योजना' को वापस लेने की मांग रखी। इस दौरान डोटासरा ने कहा कि सेना में भी टुकड़े करना चाहते हैं। आरएसएस के लोगों को भरना चाहते हैं।

सीएम अशोक गहलोत ने कहा- पूरे देश के अंदर युवाओं में जिस प्रकार से आक्रोश पैदा हुआ है। उनकी भावनाओं को प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को समय रहते समझना चाहिए। बिना आर्ग्युमेंट के जल्दबाजी में फैसला किया गया है। इसको देश, जनता और फौजी अफसरों ने अस्वीकार कर दिया है। सभी एक स्वर में कह रहे हैं कि यह योजना किसी भी रूप में लोकहित में नहीं है। मेरा मनना है सरकार जल्दी फैसला कर इसको वापस लें।

PCC चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा बोले- देश की सेना में 'अग्निपथ योजना' के तहत अग्निवीर लेने के लिए देश के प्रधानमंत्री ने किया है। ये हमारे देश के ख़िलाफ़ है। देश की सुरक्षा के खिलाफ है। युवाओं के ख़िलाफ़ है। पहले इन्होंने किसान पुत्रों के साथ धोखा किया। फिर व्यापारियों के साथ धोखा किया। नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को तोड़ दिया। अब 4 साल की भर्ती करने का जो निर्णय लिया गया है। ये युवाओं के ख़िलाफ़ है। इसको तुरंत वापस लेना चाहिए। कांग्रेस पार्टी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अशोक गहलोत सब लोग इन युवाओं के साथ खड़े है। जैसे किसानों से मांफी मांगी। वैसे इनको देश से माफी मांगनी पड़ेगी। जब तक समय निकल जाएगा।

अग्निपथ लागू करने से पहले सोचा नहीं गयाः सचिन पायलट

नोटबंदी-जीएसटी की तरह थोपी स्कीम, 3 कृषि कानून जैसे वापस लेना पड़ेगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली में केन्द्र सरकार की अग्निपथ स्कीम के खिलाफ भारत के युवाओं के समर्थन में सत्याग्रह किया। जंतर-मंतर पर हुए धरना प्रदर्शन में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा अग्निपथ की घोषणा करने के बाद लगातार जो बदलाव हो रहे हैं। जो नियम बदले जा रहे हैं। वह स्पष्ट प्रमाण है कि इस स्कीम के बारे में सोचा नहीं गया और संवाद ही नहीं किया है। स्कीम बस थोप दी गई। क्योंकि थोपने का इतिहास है। नोटबंदी हो, चाहे जीएसटी हो, बस थोप दो। लोगों को भ्रमित रखो। लोगों को उबाल पर रखो। टकराव पैदा कर दो। जाति, बिरादरी, धर्म में लोगों में असमंजस फैलता रहे।

अग्निपथ योजना को भी केन्द्र सरकार को वापस लेना पड़ेगा: पायलट ने कहा- आज नौजवानों के साथ हमारी पार्टी खड़ी है। मुझे पूरा विश्वास है जिस तरह झक मारकर एक साल बाद तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। उसी तरह अग्निपथ की नया रिक्रूटमेंट योजना को भी केन्द्र सरकार को वापस लेना पड़ेगा। फौज में हमारे नौजवान साथी सरहद पर खड़े हैं। वो अपने देश और साथी के लिए गोली खाते हैं। अगर मुझे ढाई साल नौकरी करनी है, तो आपस में पलटन, यूनिट, बटालियन में एकजुटता के भाव, जज्बात पैदा नहीं हो पाएंगे।

लाखों रुपया पेंशन ले रहे और उस बच्चे को ज्ञान दे रहे

पायलट ने कहा जो लोग अग्निपथ स्कीम के पक्ष में बोल रहे हैं। रिटायर्ड कर्नल- जनरल टेलीविजन पर आकर बयान देते हैं। मैं विनम्रता से उनसे कहना चाहता हूं कि आपने 40 साल नौकरी कर ली। लाखों रुपया आप पेंशन ले रहे हैं और अब आप उस बच्चे को ज्ञान दे रहे हो,जिसने ढाई साल मेहनत की है। कोविड के बहाने से पिछले 2 साल तक भर्तियां नहीं की गईं। भर्तियां रोककर रखी गईं। 1.25 लाख से ज्यादा भर्तियां सिर्फ फौज में खाली पड़ी हैं। जिन अर्द्धसैनिक बलों में लोगों को भविष्य का आश्वासन दे रहे हैं वहां बैकलॉग इतना है कि लोगों को एबजॉर्ब नहीं कर पाएंगे। सिर्फ भ्रमित करके लोगों का भविष्य बर्बाद करने की कोशिश कर रहे हैं। इसका विरोध कांग्रेस पार्टी कर रही है। पायलट ने कहा मैं देशवासियों से आग्रह करता हूँ कि एकजुट होकर नौजवानों का साथ दें। इस सरकार को मजबूर करें कि अग्निपथ योजना को तुरंत वापस लें।

राजस्थान आवासन मंडल को स्कॉच गोल्ड अवार्ड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल के कायाकल्प, नवाचारों तथा सफलताओं के चलते हाउसिंग सेक्टर में राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर अनूठी उपलब्धि हासिल की है। स्कॉच ग्रुप ने अपनी स्टेट ऑफ गवर्नेंस-2021 रिपोर्ट में राजस्थान को हाउसिंग कैटेगरी में देश के अग्रणी राज्य के रूप में शामिल करते हुए 'स्टार ऑफ गवर्नेंस-गोल्ड अवार्ड' प्रदान किया है। स्कॉच ग्रुप ने यह गोल्ड अवार्ड हाउसिंग बोर्ड में हुए कायाकल्प, विगत वर्षों में शानदार प्रदर्शन, सफल योजनाओं आदि उपलब्धियों के लिए प्रदान किया है।

राजस्थान आवासन मंडल की ओर से यह पुरस्कार मंडल के मुख्य अभियन्ता प्रथम केसी मीणा तथा उप आवासन आयुक्त श्री प्रतीक श्रीवास्तव ने शनिवार को इंडिया गवर्नेंस फोरम के तहत दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में ग्रहण किया। इस उपलब्धि के लिए आवासन आयुक्त श्री अरोड़ा ने मंडल की सम्पूर्ण टीम को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि अरोड़ा के निर्देशन में आवासन मंडल ने एक से बढ़कर एक सफलताएं हासिल की हैं। आवासन मंडल में लोगों का भरोसा फिर से कायम हुआ है।

एक लाख लेते पकड़ा गया इंजीनियर, गिड़गिड़ाया

1.25 करोड़ के बिल पास करने के लिए मांगी रिश्वत, बोला... दूसरों से तीन परसेंट लेता हूँ

बालोतरा। बाड़मेर एसीबी टीम ने रविवार को बालोतरा जलदाय विभाग के एक्सईएन (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) जयप्रकाश गुप्ता को बंगले पर 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जिसने जनता जल मिशन योजना में किए कार्य का बिल पास के एवज में ठेकेदार से कमीशन के रूप में रिश्वत की मांग की थी।

बाड़मेर एसीबी के एएसपी रामनिवास सूंडा ने बताया की जनता जल मिशन योजना के ठेकेदार ने 6 जून को ब्यूरो ऑफिस में शिकायत दी। उसने जलदाय विभाग में जनता जल मिशन योजना में काम किया है। 1 करोड़ 25 लाख रुपए के बिल पास करने की एवज में एक्सईएन जयप्रकाश गुप्ता ढाई प्रतिशत के हिसाब से कमीशन की मांग कर रहा है। बिना रिश्वत दिए काम ही नहीं करता है।

रिश्वतखोर ने कहा- लोगों से 3 प्रतिशत लेता हूं। आपसे ढाई ले रहा हूं।

इस पर एसीबी टीम ने इसका सत्यापन करवाया। कमीशन की राशि 3 लाख 25 हजार रुपए में से ठेकेदार ने 2 लाख रुपए का सत्यापन के दौरान भुगतान किया। एक लाख बाद में देने को कहा। इस पर एसीबी एएसपी रामनिवास सूंडा के नेतृत्व में टीम ने रविवार को उनके निवास पर कार्रवाई की। आरोपी एक्सईएन जयप्रकाश गुप्ता को 1 लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

जयपुर में 30 पैसेंजर से भरी बस में लगी आग

ड्राइवर और कंडक्टर ने सवारियों को नीचे उतारकर बचाई जान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। टोंक रोड़ पर चल रही सिटी बस में आज सुबह एकाएक आग लग गई। बस में धुआं और आग की लपटे आने पर बस ड्राईवर ने बस रोकी। 30 सवारियों को नीचे उतारा। इस दौरान बस में रखे फायर फाइटिंग उपकरणों से ड्राइवर और कंडक्टर ने आग पर काबू पाया। घटना टोंक रोड पर पुलिस मुख्यालय के पास की हैं।

चालक ने बताया कि बस अजमेरी गेट ने निकली थी इस दौरान बस में कोई परेशान नहीं थी। गांधी नगर मोर्ड पर एकाएक बस में बदबू आने लगी कुछ ही सेकेंड में इंजन की ओर से बस में धुआ आने लगा जिस पर तत्काल बस को रोका और सवारियों का नीचे उतारा। बस में बैठे यात्री कुछ देर के लिए डर गए लेकिन सावधानी से सभी को नीचे उतारा।

कुछ समय केलिए रोड़ पर जाम लग गया

मौके पर ड्यूटी दे रहे ट्रैफिक जवान रमेश ने बताया कि बस में आग लगने पर उसने सबसे पहले बस ट्रैफिक रोका। जिससे कोई बड़ी घटना सड़क पर ना हो जाए। वहीं दमकल को फोन कर घटना की जानकारी दी जिससे दमकल जल्द मौके पर पहुंचे। दमकल पहुंचने से पहले ही बस ड्राईवर ने बस में रखे फायर फाइटिंग सिस्टम से आग पर काबू पा लिया।

रेगिस्तान में दोगुना हुई बीएसएफ परिवार की ताकत

मिला ध्रुव हेलिकॉप्टर, 12 मिसाइल दागकर दुश्मन के ठिकाने तबाह कर देगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान की सीमा पर पाकिस्तान की हर नापाक हरकत पर निगरानी रखने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीमा सुरक्षा बल को मिल गया है। करीब 10 साल के बाद सीमा सुरक्षा बल के बेड़े में ध्रुव हेलिकॉप्टर को शामिल किया गया है। अब BSF की ताकत दोगुनी हो जाएगी।

इस एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव से सीमा सुरक्षा बल को सीमा की रखवाली के साथ-साथ और भी कई आपातकालीन परिस्थितियों में मदद मिल सकेगी। इससे पहले सीमा सुरक्षा बल के राजस्थान व गुजरात फ्रंटियर के लिए संयुक्त रूप से

चेतक हेलिकॉप्टर हुआ करता था। जो साल 2011 में सिरोही जिले के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। करीब 10 साल के इंतजार के बाद भारत सरकार ने सीमा सुरक्षा बल को नई ताकत दे दी है। ये ध्रुव हेलिकॉप्टर जोधपुर स्थित सीमा सुरक्षा बल के राजस्थान फ्रंटियर हेडक्वार्टर पर रहेगा। फिलहाल बीएसएफ को एक ही हेलिकॉप्टर मिला है।

आपात स्थिति में तुरंत सहायता के लिए कारगरः दरअसल सीमा सुरक्षा बल भारत की पहली रक्षा पंक्ति है। भारत-पाकिस्तान की राजस्थान से लगती लंबी और कठिन सीमा पर आपातकालीन परिस्थितियों में ध्रुव हेलिकॉप्टर किसी संजीवनी से कम नहीं होगा। किसी भी हादसे के समय सीमा से मुख्यालय लाने में लगने वाली देरी से भी निजात मिलेगी।

इसके साथ ही जवानों व अधिकारियों को एयर एंबुलेंस की सुविधा के साथ-साथ किसी भी आपात स्थिति में सीमा पर तुरंत पहुंचने में भी मदद मिलेगी। दरअसल राजस्थान की ज्यादातर सीमा रेगिस्तानी और बहुत ज्यादा दूर है। मुख्यालय से करीब 150 से 200 किमी का फासला तय करने में BSF को 4 से 6 घंटों का समय लगता है और अगर सड़कों पर आंधी की वजह से रेत आ जाए तो बहुत मुश्किल हालात पैदा हो जाते हैं। ऐसे में ध्रुव एएलएच हेलिकॉप्टर सबसे बड़ा मददगार साबित होगा।

फौजदारी प्रकरणों की सुनवाई हेतु राजस्थान उच्च न्यायलय जोधपुर एवं जयपुर पीठ में अधिवक्ता नियुक्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार ने तीन अलग-अलग आदेश जारी कर राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के समक्ष राज्य की ओर फौजदारी प्रकरणों की पैरवी करने हेतु अतिरिक्त राजकीय महाअधिवक्ता एवं अपर लोक अभियोजक तथा राजस्थाना उच्च न्यायलय जयपुर पीठ, जयपुर के समक्ष राज्य की ओर से फौजदारी प्रकरणों में पैरवी के लिए उप राजकीय अधिवक्ता एवं अपर लोक अभियोजक नियुक्त किए हैं। प्रमुख शासन सचिव विधि श्री प्रवीर भटनागर की ओर से जारी आदेशानुसार राजस्थान उच्च न्यायलय जोधपुर के समक्ष राज्य की ओर से फौजदारी प्रकरणों की पैरवी हेतु श्री सलीम खान मेहर व श्री अभिषेक पुरोहित को अतिरिक्त राजकीय अधिवक्ता एवं अपर लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। श्री मेहर एवं श्री पुरोहित की नियुक्ति मासिक रिटेनरशिप पर की गई है तथा इनका मुख्यालय जोधपुर रहेगा। इसी तरह एक अन्य आदेश जारी कर श्री महेन्द्र मीना अभिभाषक को राजस्थान उच्च न्यायलय जयपुर पीठ, जयपुर के समक्ष राजस्थान राज्य की ओर से फौजदारी प्रकरणों की पैरवी करने हेतु अतिरिक्त राजकीय अधिवक्ता एवं अपर लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। श्री मीना की नियुक्ति मासिक रिटेनरशिप पर की गई है तथा इनका मुख्यालय जयपुर होगा

इस संबंध में जारी एक अन्य आदेश के अनुसार राजस्थान उच्च न्यायलय जयुपर पीठ, जयपुर के समक्ष राजस्थान राज्य की ओर से फौजदारी प्रकरणों की पैरवी के लिए श्री बाबूलाल नासुना एवं श्री सुरेश कुमार को उप राजकीय अधिवक्ता एवं अपर लोक अभियोजक के पद पर मासिक रिटेनरशिप पर अग्रिम आदेश तक नियुक्त किया गया।

देवनारायण पशुपालक आवासीय योजना में हुआ गृह प्रवेश

राजस्थान में पशुपालकों के लिए पहली हाईटेक आवासीय योजना बनीः स्वायत्त शासन मंत्री

मुख्यमंत्री की बजट घोषणा में 300 करोड़ की लागत से बना आधुनिक नगर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। देशभर में अनूठी एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पशुपालकों के लिए पहली बार तैयार की गई देवनारायण एकीकृत आवासीय योजना में रविवार को स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने कब्जा सौंपकर आवंटियों को गृह प्रवेश कराया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बजट में 300 करोड़ रुपये की लागत से कोटा शहर के पशुपालकों को सुव्यवस्थित रुप से बचाने के लिए देवनारायण एकीकृत आवास योजना विकसित करने की घोषणा की गई थी। परियोजना की आधारशिला मुख्यमंत्री द्वारा 17 अगस्त, 2020 को रखी गई। जिसमें नगर विकास न्यास कोटा द्वारा प्रथम चरण में 738 आवासों का निर्माण पूर्ण किया जाकर 501 आवासों का आवंटन किया गया है।

पशुपालकों के लिए विश्व में पहली हाईटेक आवासीय योजनाः स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि देश ही नहीं विदेशों में भी पशुपालकों के लिए सभी सुविधाओं से सुसज्जित ऐसी कोई योजना देखने को नहीं मिलेगी, जहां एक साथ पशुपालकों को बसा कर उनका शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि विभिन्न समस्याओं का सामना करते हुए जिस तरह से पशुपालक अपनी जिंदगी गुजार रहे थे अब उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आयेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना में जिस प्रकार आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है उसको देखने देश-दुनिया के शिल्पकार आयेंगे। इसमें पशुपालकों के जीवन स्तर में सुधार के साथ कोटा शहर को पशु दुर्घटना से मुक्त होने में मदद मिलेगी।

स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि भगवान देवनारायण के नाम पर पहली योजना है जो सरकार द्वारा आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित की गई है। इसमें वर्तमान पीढ़ी के विकास के साथ पशुपालकों के बच्चों के भविष्य के लिए भी प्रावधान किये गये हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम स्कूल, चिकित्सालय, दुग्ध मंडी, हाट बाजार, मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट, बायोगैस प्लांट, आवागमन के लिए बसों का संचालन जैसी सुविधाओं से पशुपालकों के जीवन में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विकास को पूरा किया जा सकेगा।

गौ पूजन से शुभारम्भः स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने योजना का शुभारम्भ गायों की पूजा अर्चना कर किया। इस दौरान उन्होंने पशुपालकों को उनके आवास के कब्जा पत्र सौंपे। कार्यक्रम के दौरान गुर्जर समाज की ओर से 51 किलो की माला से स्वायत्त शासन मंत्री का स्वागत कर पशुपालकों के लिए देवनारायण नगर बसाने पर सरकार का आभार जताया। नगर विकास न्यास के ओएसडी श्री आरडी मीना ने योजना के विकास के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए योजना को पशुपालकों के लिए वरदान बताया।

देवनारायण योजना की विशेषताएंः योजना में पशुपालकों के लिए 1227 बड़े आवासीय भूखंडों का प्रावधान किया गया है। इनमें से 738 आवासों का निर्माण पूर्णकर 501 पशुपालकों को आवंटन कर दिया गया है। इन भूखंडों के पिछले भाग में लगभग 40 वर्ग मीटर क्षेत्र में दो कमरे, रसोईघर, शौचालय, स्नानघर, बरामदा, चारा भण्डारण की सुविधा है। भूखंड के अग्रभाग में पशुओं के लिए शेड का निर्माण किया गया है। जिसमें भूखंड के क्षेत्रफल के अनुसार 18 से 28 पशुओं के पालने की क्षमता होगी। इस योजना में आवासीय भूखंडों के अतिरिक्त डेयरी उद्योग के लिए 50, भूसे गोदाम के 14, खलचुरी व सामान्य व्यवसाय के लिए 112 भूखण्डों का आवंटन किया गया है।

पशुपालकों की सुविधा के लिए योजना में विद्यालय भवन, पशु चिकित्सालय, सोसाइटी कार्यालय, पुलिस चौकी विद्युत सब स्टेशन, पेयजल के लिए उच्च जलाशय, सीवर लाइन, पार्क, नाली, सड़कें, एसटीपी, पशुमेला मैदान एवं दुग्ध मण्डी का भी निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त भविष्य की आवश्यकता के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक भवन, रंगमंच का निर्माण किया गया है।

योजना में लगभग 15 हजार पशुओं से प्राप्त गोबर के निस्तारण के लिए नगर विकास न्यास द्वारा बायोगैस संयंत्र की स्थापना की जा रही है। बायोगैस संयंत्र की स्थापना से इस योजना को गोबर की दुर्गंध से मुक्ति मिलेगी तथा पशुपालकों से 1 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बायोगैस संयंत्र के लिए गोबर खरीदा जाएगा। बायोगैस से उत्पन्न गैस को पाइप लाइन के माध्यम से घरों में सप्लाई किया जायेगा। बायोगैस संयंत्र से गोबर के निस्तारण के साथ-साथ जैविक खाद का भी उत्पादन होगा। समारोह में कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल, उत्तर महापौर मंजू मेहरा, उपमहापौर पवन मीणा, सोनू कुरैशी, संभागीय आयुक्त दीपक नंदी, जिला कलक्टर हरिमोहन मीना, पुलिस अधीक्षक शहर केसरसिंह, नगर विकास न्यास सचिव राजेश जोशी सहित अधिकारी उपस्थित थे।

81 किलो डोडा चूरा पकड़ा

नाकाबंदी पर पुलिस को देखकर भाग रहा था आरोपी

हिलव्यू समाचार

बस्सी। बस्सी पुलिस ने 81 किलो 100 ग्राम डोडा चूरा बरामद कर एक जने को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार नाकाबंदी के दौरान नेगडियाकला गांव में एक गाड़ी घोसुंडी की तरफ आती हुई दिखाई दी। पुलिस को देखकर गाड़ी चालक गाड़ी को घुमाकर भागने लगा। थानाधिकारी गणपत सिंह मय जाब्ता ने घेरा बनाकर कार को रोक दीया। गाड़ी से चालक को उतार कर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम सुनील पिता उगमाराम नायक निवासी बदलाव मेड़ता रोड नागौर होना बताया। मामले की जांच गंगरार थानाधिकारी शिवलाल लाल मीणा कर रहे हैं।

मौत से पहले बोला... मुझे जला दियाः परिजन बोले... मंत्री का भाई खरीद रहा जमीन, SDM, तहसीलदार व SHO ने जलाया

हिलव्यू समाचार

अलवर। अलवर मालाखेड़ा के चांदपहाड़ी गांव में बीते सोमवार 13 जून को कथित तौर पर खुद को आग लगाने वाले युवक करण सिंह (40) पुत्र मंगतूराम की कल शनिवार शाम को जयपुर के एसएमएस अस्पताल में मौत हो गई। मौत से पहले करण ने एसडीएम, तहसीलदार व थानेदार पर आरोप लगाया कि उन्होंने जला दिया। आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिजनों का यह भी कहना है कि जिस जमीन पर प्रशासन की टीम कब्जा हटाने गए थी, उसे कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली के भाई मुकेश जूली ने खरीदा है। अधिकारी उन्हीं के नाम पर कार्रवाई को अंजाम दे रहे थे।

प्रशासन ने बताया था खुद ने लगाई आगः बता दें कि सोमवार 13 जून को पुलिस व प्रशासन की टीम अलवर के चांद पहाड़ी गांव में जमीन से कब्जा हटाने गई थी। इस दौरान विरोध कर रहे करण सिंह गुर्जर ने कथित तौर पर खुद को आग लगा ली। इसके बाद उसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल लाया गया। कल शाम इलाज के दौरान करण ने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि करण ने खुद ने आग नहीं लगाई, बल्कि पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने उसे आग के हवाले किया। यही बयान मृतक ने मौत से पहले दिया।

वहां पेट्रोल की बोतलें मिलीः चांद पहाड़ी गांव में मौके पर कार्रवाई करने गई पुलिस को पेट्रोल की बोतलें भी मिली थी। झोंपड़ी को भी आग लगाई गई थी। पुलिस-प्रशासन का आरोप है कि युवक ने खुद ने ऐसा किया। जबकि मृतक के परिजन भी पुलिस प्रशासन पर आरोप लगा रहे हैं। इस कारण अब यहां आमजन का विरोध बढ़ने की आशंका है। जिसे देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं।

करीब 4 बीघा 8 बिस्वा जमीन पर कब्जाः जिस जमीन पर टीम अतिक्रमण हटाने गई थी वह 1975 में कन्हैया नाम के व्यक्ति को अलॉट कर दी गई थी। करण सिंह के भाई ने बताया कि मंगतूराम व उसके परिवार का गांव में गैर खातेदारी जमीन पर 45 साल से अधिक समय से कब्जा है। अब प्रशासन इस जमीन से कब्जा हटाने आया था। मौके पर उसके भाई को जला दिया गया।

एसडीएम ने कहा कोर्ट के आदेशः एसडीएम अनुराग हरित ने उसी दिन बताया था कि कोर्ट के आदेश पर चांद पहाड़ी एरिया में अतिक्रमण हटाने गए थे। मौके पर कार्यवाही से पहले ही करण सिंह ने आत्मदाह का प्रयास किया। टीम की ओर से उसे बचाने का भी प्रयास किया गया।

यह था मामला

अलवर तहसीलदार ने बताया कि 183-बी के आदेश पर कार्रवाई की जानी थी। जमीन से कब्जा हटाने के लिए तहसीलदार कोर्ट से अगस्त 2016 में फैसला आया था। कब्जेधारियों ने रेवेन्यू कोर्ट में अपील की थी। लेकिन उनकी अपील खारिज हो गई थी। हाल में एससी आयोग के चेयरमैन अलवर आए थे। इस दौरान उन्होंने ऐसे अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद इस जमीन पर कब्जा हटाने के लिए सोमवार को टीम पहुंची थी। उन्होंने बताया कि 1.94 हैक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा था।

खनिज जिप्सम की परत हटाने के लिए किसानों को जारी होंगे परमिट, ऑनलाईन पारदर्शी व्यवस्था में करना होगा आवेदनः एसीएस माइंस

श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों के लिए अलग से जारी होंगे आदेश

दलहन, तिलहन और गेहूं की पैदावार बढ़ाने में उपयोगी है जिप्सम

राजस्थान में है जिप्सम के अथाह सतही भण्डार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य में भूमि सुधार के लिए जिप्सम की परत हटाने के लिए किसानों को ऑनलाईन परमिट जारी किए जाएंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि किसानों को जिप्सम परत उठाने के पट्टे जारी करने के लिए इसी माह से ऑनलाईन परमिट आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरु करने के निर्देश दे दिए गए हैं। श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों में खनिज जिप्सम के पट्टे जारी करने के परमिट आवेदन प्राप्त करने के लिए अलग से आदेश जारी किए जाएंगे।

गौरतलब है कि खान मंत्री श्री प्रमोद जैन भाया ने खनिज जिप्सम का खेती में अत्यधिक उपयोग को देखते हुए पिछले दिनों ही प्रक्रिया के सरलीकरण और जल्दी ही परमिट कार्यवाही जारी करने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

एसीएस माइंस ने बताया कि देश में जिप्सम के सर्वाधिक भण्डार राजस्थान में होने के साथ ही दलहन, तिलहन और गेहूं की पैदावार को बढ़ाने के लिए जिप्सम का उपयोग क्षारीय भूमि सुधार और भूमि के पोषक तत्व के रुप में प्रमुखता से किया जाता है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि राज्य के बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, बाड़मेर, जैसलमेर, चुरु व नागौर जिलों में करीब एक हजार मिलियन टन से भी अधिक के जिप्सम के भण्डार हैं। जिप्सम खनिज सामान्यतः सतही होने के कारण सतह से तीन मीटर गइराई तक जिप्सम के खनन को गैर खनन गतिविधि माना गया है और इस कारण से पर्यावरण मंत्रालय की स्वीकृति प्राप्त करने की भी आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार ने इसी माह जिप्सम के डीलरों के पंजीयन और ई परिवहन परमिट जारी करने की प्रक्रिया को आसान बनाते हुए पारदर्शी बनाया है। अब नए पंजीयन के लिए कोर्डिनेट्स के साथ स्टॉक यार्ड का मय खसरा रिकार्ड के लोकेशन मेप, स्टॉक यार्ड की भूमि का पट्टा या रेंट एग्रीमेंट, यदि यार्ड में जिप्सम भण्डारित हो तो उसकी मात्रा व दो हजार रु. के आवेदन शुल्क के साथ विभागीय वेबसाइट पर आवेदन की सुविधा दी गई है। पहले से पंजीकृत डीलर को आवेदन शुल्क तो जमा नहीं कराना पडेगा पर अन्य आवश्यक दस्तावेज के साथ ऑनलाईन आवेदन करना होगा। नियमानुसार एक साल की अवधि के लिए पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा और सालाना फीस 25 हजार रुपये होगी।

जोधपुर के 7 कारोबारियों पर आयकर छापा

हवाला के लेन-देन का शक, ज्वेलर, फाइनेंसर व प्रोपर्टी बिजनेसमैन के 25 ठिकानों पर रेड

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। जोधपुर में गुरुवार सुबह आयकर विभाग की टीम ने शहर के एक नामी 7 कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मार सर्वे शुरू किया। इन कारोबारियों के 25 ठिकानों पर करीब 100 से अधिक अधिकारियों के टीम की कार्रवाई से हड़कंप मच गया।

हवाला के लेन-देन का शक

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जोधपुर के एक फाइनेंसर ऊंची दर पर लोगों को ब्याज पर रुपए उधार देने की जानकारी सामने आई थी। साथ ही हवाला के माध्यम से यह देश-विदेश में बड़ी राशि का लेन-देन सामने आया था। जानकारी में यह भी पता चला है कि कुछ बड़े ज्वेलर्स को भी रुपए उधार दे रखे थे। इसके बाद जोधपुर व जयपुर के आयकर विभाग के अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने एक साथ 25 ठिकानों पर सर्वे शुरू किया।

मुंबई के दो ठिकानों पर भी रेडः इनमें 1 फाइनेंस, 1 प्रोपर्टी डीलर, 1 हैंडीक्राफ्ट बिजनेसमैन समेत 4 ज्वेलर्स हैं। जोधपुर के अलावा मुंबई में भी दो स्थान पर आयकर विभाग की टीम सर्वे कर रही है। विभागीय अधिकारियों ने फिलहाल इस बारे में किसी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि अभी तो जांच शुरू हुई है। जांच प्रक्रिया पूरी होने में समय लगेगा। इसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि इन लोगों के पास अघोषित आय है या नहीं।

एक फाइनेंसर से जुड़े हैं सभीः आयकर विभाग के अधिकारियों के अनुसार ये सभी एक फाइनेंस से जुड़े हैं। जोधपुर के पावटा एरिया में इस फाइनेंसर के यहां भी टीम सर्वे कर रही है। बताया जा रहा है ये सभी कारोबारी इसी फाइनेंसर से जुड़े थे। इसके बाद इनके यहां भी सर्वे कार्रवाई शुरू की गई।

36 नवीन इन्दिरा रसोई खोलने के प्रस्तावों को दी मंजूरी

चिन्हित किये गये स्थानों पर शीघ्र ही स्थापित होगी इन्दिरा रसोई

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जिला कलक्टर श्री राजन विशाल ने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा 2021-22 की अनुपालना में नगर निगम (ग्रेटर) एवं नगर निगम (हेरिटेज) द्वारा चिन्हित किये गये स्थानों पर नवीन इन्दिरा रसोई संचालित की जायेगी। जिसके लिये नगर निगम (ग्रेटर) में 20 एवं नगर निगम (हेरिटेज) क्षेत्र में 16 नवीन इन्दिरा रसोई खोलने के प्रस्तावों को मन्जूरी दी गई है। जिला कलक्टर ने गुरूवार को कलक्ट्रेट सभागार में इन्दिरा रसोई योजना के संबंध में आयोजित बैठक के दौरान यह जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि इन्दिरा रसोई पर सम्मानजनक तरीके से बैठाकर खाना खिलाया जाए एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे इन्दिरा रसोईयों के बेहतर संचालन एवं व्यवस्थाओं को सही रखने के लिये नियमित रूप से निरीक्षण किया जाना सुनिश्चित करें।

भिंडी खाने से 2 बच्चों की मौत, तीन गंभीर

एक साल पुरानी भिंडी सुखाकर खा रहे थे, पूरे परिवार की तबीयत बिगड़ी

हिलव्यू समाचार

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में फूड पॉइजनिंग से एक ही परिवार के दो बच्चों की भिंडी खाने से मौत हो गई। वहीं, 5 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। घटना शनिवार दोपहर की है। अचानक परिवार की तबीयत खराब होने पर सभी को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से गंभीर हालत होने के कारण चार को प्रतापगढ़ रेफर किया गया। घटना पीपलखूंट उपखंड घंटाली थाना क्षेत्र के मांडल जेल गांव की है। घंटाली थाना अधिकारी सोहन लाल मीणा ने बताया कि गुड्डी देवी पति नारू मीणा पीहर आई हुई थी। जिसने शनिवार दोपहर 3 बजे भाभी राना पति देवीलाल के साथ मिलकर खाना बनाया था। परिवार में केवल गुड्डी बाई और देवीलाल ने खाना नहीं खाया था। बाकी सात लोग खाना खाने के बाद बीमार हो गए। जिनमें से 2 बच्चों की मौत हो गई। देवीलाल परिवार से अलग घर में रहता है। बहन गुड्डी पहले से खाना खाकर आई थी। इसलिए उसने परिवार के साथ खाना नहीं खाया। घर के बाकी लोगों की तबीयत खराब होते देख गुड्डी ने आस पड़ोस के लोगों को बुलाया। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना में कृष्णा (1) पुत्र देवीलाल, ललिता (6) पुत्री नारू मीणा ने रास्ते में दम तोड़ दिया। ललिता माता-पिता के साथ मामा के घर आई थी। ललिता का छोटा भाई राहुल (10) और पिता नारू मीणा (28) ने भी खाना खाया था, जो अस्पताल में भर्ती है। वहीं, राना (27) पत्नी देवीलाल, भूरी (40) पत्नी लालू मीणा, जीऊ मीणा (25) पुत्र लालू मीणा, नानी बाई मीणा (22) पत्नी जीऊ मीणा, मोहन (12) पुत्र प्रकाश मीणा सभी का पीपलखूंट उपखंड के घंटाली अस्पताल में इलाज जारी हैं।

सूखी भिंडी की सब्जी से हुए बीमारः परिजनों ने बताया कि 1 साल पहले भिंडी को काटकर सुखाई गई थी। सुखी हुई भिंडी को थैली में भरकर रख रखी थी। जब कोई सब्जी नहीं मिलती थी तो हम इसकी सब्जी बनाकर खाते थे। कल भी इसी तरह से सूखी भिंडी की सब्जी बनाई गई। इसके बाद से परिवार के सभी सदस्यों की तबीयत खराब हो गई।

वहीं, सूचना के बाद जिला अस्पताल पहुंची घंटाली थाना पुलिस ने घटना का जायजा लिया और शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जिसके बाद पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट हुई है।

क्रॉस वोटिंग पर विधायक शोभारानी कुशवाह को बीजेपी से निकाला

अनुशासन समिति बोली... स्पष्टीकरण देना तो दूर, नेतृत्व पर ही आरोप लगाए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग कर बीजेपी की किरकिरी कराने वाली विधायक शोभारानी कुशवाह को पार्टी से निकाल दिया गया है। केंद्रीय अनुशासन समिति ने विधायक को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। अनुशासन समिति ने शोभारानी को भेजे निष्कासन के पत्र में कहा है कि स्पष्टीकरण देना तो दूर, आपने पार्टी नेतृत्व पर ही सार्वजनिक रूप से गलत आरोपों की झड़ी लगा दी।

बीजेपी की केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक ने पत्र जारी कर शोभारानी से कहा है कि आपको तत्काल प्रभाव से पार्टी ने निष्कासित किया जाता है। पार्टी की ओर से दिए गए बाकी दायित्व से भी हटाया जाता है। शोभारानी से कहा गया है कि उन्होंने पार्टी के विधायक होने के नाते अनुशासन की जिन सीमाओं को लांघा है। उस पर कार्रवाई अलग से की जाएगी।

स्पष्टीकरण देना तो दूर, नेतृत्व पर ही सार्वजनिक रूप से आरोपों की झड़ी लगा दी: अनुशासन समिति ने पत्र में शोभारानी से कहा- 10 जून को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया था कि क्यों न अनुशासनहीनता के लिए आपको पार्टी से निष्कासित कर दिया जाए। आपका स्पष्टीकरण 19 जून तक मिलना था। आपने अपना स्पष्टीकरण देना तो दूर, उल्टा नेतृत्व पर ही गलत आरोपों की सार्वजनिक रूप से झड़ी लगा दी।

फिर भी केंद्रीय अनुशासन समिति आपके प्रेस नोट को आपका उत्तर मानकर और गम्भीरता से विचार करने के बाद इस फैसले पर पहुंची है कि आपने अपने पक्ष में कोई सफाई पेश नहीं की है। केवल पार्टी के सीनियर कार्यकर्ताओं और नेतृत्व पर बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। इसका मतलब साफ है कि आपको अपने बचाव में कुछ और नहीं कहना है। केन्द्रीय अनुशासन समिति ने कहा है कि मीडिया के सामने मनगढ़ंत और अनर्गल बातों को सार्वजनिक करना बीजेपी के संविधान के रूल्स की धारा 25 और रूल 10ए, बी,सी और डी के प्रोविजन का घोर उल्लंघन है।

क्या है पूरा मामला

बीजेपी विधायक शोभारानी कुशवाह ने 10 जून को हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करके कांग्रेस के उम्मीदवार प्रमोद तिवारी को वोट दे दिया था। उसी शाम बीजेपी ने उनके निष्कासन का प्रोसेस शुरु कर कारण बताओ नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब तलब किया था। लेकिन शोभारानी कुशवाह ने अगले ही दिन 11 जून को पार्टी के खिलाफ खुलकर बगावत करते हुए पार्टी छोड़ने के संकेत दिए। शोभारानी ने बड़े नेताओं पर वादाखिलाफी करने का आरोप लगाकर हमला बोला।

शोभारानी ने कहा- किसी भी नेता का वजूद उनके कार्यकर्ताओं से होता है, इसलिए हमारे कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया है कि वे खुद ऐसी पार्टी में नहीं रहना चाहते हैं, जिसके राष्ट्रीय नेता ही अपने प्रत्याशियों को हराने का काम करें। अब तक मैंने, मेरे कुशवाह समाज और मेरे सभी सर्वसमाज के कार्यकर्ताओं ने धोखा बहुत खा लिया। अब कोई हमें दोबारा से धोखा दे, यह हमारे कार्यकर्ताओं को और हमें मंजूर नहीं है। जो पार्टी अपने ही उम्मीदवारों को हराए, उसमें कौन रहना चाहेगा?

धौलपुर विधायक शोभारानी ने कहा- 2017 में धौलपुर उपचुनाव के लिए मैं और मेरा कुशवाह समाज BJP के पास नहीं गए थे। मेरे परिवार को तबाह करने के बाद जब इनको लगा कि धौलपुर जिले के साथ-साथ पूरे राजस्थान का कुशवाह समाज BJP के हाथ से निकल सकता है तो खुद चलकर के आए थे। उन्होंने पार्टी नेताओं पर सवाल खड़े किए और कहा कि हमें विश्वास पात्रों में नहीं रखते हुए निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चन्द्रा को वोट देने के लिए कहा गया। उन्होंने सुभाष चन्द्रा के लिए भी कई बातें बोलीं।

पिंकसिटी प्रेस क्लब में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन बाल अभिरूचि शिविर सम्पन्न

बाल अभिरूचि शिविर से बच्चों में बढ़ता है आत्म विश्वासः डॉ. बी.डी. कल्ला

ग्रीष्मकालीन बाल अभिरूचि 2022 की संयोजक अनिता शर्मा ने किया शिक्षा, कला एवं संस्कृति मंत्री बी.डी. कल्ला का स्वागत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। शिक्षा, कला एवं संस्कृति मंत्री बी.डी. कल्ला ने कहा कि बाल अभिरूचि शिविर के माध्यम से बच्चों में आत्म विश्वास बढ़ता है एवं समग्र विकास होता है। बड़े होकर अपने अभिभावको के साथ-साथ प्रदेश का नाम रोशन करते हैं। उन्होनें कहा कि आज की पीढ़ी हमारी संस्कृति के प्रति सजग रहेगी तभी हम उसे अक्षुण्ण बनाएं रख सकेंगे। शिक्षामंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला बुधवार को यहा पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से क्लब सभागार में आयोजित ग्रीष्मकालीन बाल अभिरूचि 2022 के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पूर्व शिक्षा मंत्री कल्ला एवं आरटीडीसी चेयरमैन राठौड़ ने शिविर का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारम्भ किया। शिविर में बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ ने बच्चों की प्रतिभाओं को सराहा और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शिविर की विस्तृत जानकारी दी। मीणा ने कहा कि प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहन के लिए जल्द ही एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और बाल अभिरूचि शिविर की तरह सर्दियों में बच्चों के लिए विंटर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बच्चों ने योग, राजस्थानी लोकनृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य कथक, वेस्टर्न डांस, मार्शलआर्ट की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर क्राफ्ट, डाईंग व पेंटिंग की प्रदर्शनी लगाई गई। रंगारंग समारोह के दौरान हर्षिता शर्मा 11वीं एवं खुशी सैन 10वीं कक्षा में स्कूल टॉपर आने पर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला एवं आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ ने प्रश्स्ति एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का आरम्भ गाईये गणपति जग वन्दन से हुआ। इसमें नृत्य गुरू प. राजेन्द्र राव, गायनराजेन्द्र जडेजा एवं तबले पर विजय वाणे ने संगत की। क्लब महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने बताया कि इस अवसर पर सूर्य नमस्कार एवं शिव स्त्रोत पर योग, राजस्थानी नृत्य, कालबेलिया नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति से सभागार में बैठे दर्शक आनन्द विभोर हो उठे। वहीं नन्हें बच्चों ने हरे कृष्णा, हरे राम...गीत पर वेस्टर्न डांस की मनमोहक प्रस्तुति दी।

शिविर संयोजक अनिता शर्मा ने बताया कि बालिका शिक्षा एवं जल बचाओं के संदेश पर आधारित नाटक का मंचन किया। जिसमें बच्चों की भाव-भंगिमाओं ने दर्शकों को आकृषित किया। कार्यक्रम के दौरान आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट के गुर सिखाएं। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष नीरज मेहरा, पूर्व महासचिव रोशन लाल शर्मा, आयोजन समिति के सदस्य हरिसिंह चौहान, कृथक गुरु राजेन्द्र राव, उपस्थित थे। मंच का संचालन कुलदीप गुप्ता ने किया।

मृत्युभोज में खाना खाने के बाद 250 लोगों को फूड-पॉइजनिंग

लड्डू, पुड़ी-सब्जी और दही बड़े खाने के बाद बिगड़ी तबीयत

मेहंदीपुर बालाजी (दौसा)। मेहंदीपुर बालाजी में फूड पॉइजनिंग से 250 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। मृत्यु भोज में खाना खाने के बाद लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी, जिसके बाद उनको कुछ मरीजों को टोडाभीम अस्पताल में भर्ती करवाया गया और कुछ लोगों का मेडिकल टीम घर पर ही इलाज कर रही है। सभी मरीजों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। यह पूरा मामला मेहंदीपुर बालाजी क्षेत्र के सांकरवाड़ा गांव का है।

सीरियस मरीजों को टोडाभीम अस्पताल में भर्ती कराया: जानकारी के मुताबिक सांकरवाड़ा गांव के भरोसी लाल बैरवा के पिता प्रभाती बैरवा की कुछ दिन पूर्व मृत्यु हो गई थी। इस पर सोमवार को मृत्यु भोज का कार्यक्रम था। खाने में लड्डू, पूड़ी-सब्जी और दही बड़े बनाए गए थे। दोपहर में खाना खाने के बाद रात करीब 10 बजे सबसे पहले मुरारी बैरवा के घर में बच्चों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। जिनको टोडाभीम के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद देखते ही देखते सैकड़ों लोगों को पेट दर्द, उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी, जिसके बाद उनको अस्पताल में भर्ती करवाया। बड़ी संख्या में फूड पॉइजनिंग के मरीजों के एक साथ पहुंचने से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

ग्रामीणों को शक-असामाजिक तत्वों ने की शरारतः मामले की सूचना मिलते ही टोडाभीम सीएचसी प्रभारी अमर सिंह मीणा तुरंत अस्पताल पहुंचे और पीड़ितों की हालत का जायजा लिया और डॉक्टरों की एक टीम को गांव में भेजा। जहां सभी मरीजों को प्राथमिक इलाज किया गया। लेकिन शाम को फिर से लोगों की तबीयत खराब होने लगी तो मेडिकल टीम वापस गांव में पहुंची, जहां 50 से 60 लोगों को ड्रिप लगाई गई। ज्यादा बीमार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि मृत्यु भोज में बनाए गए खाने में किसी असामाजिक तत्व की शरारत से ऐसी स्थिति पैदा हुई है।

गांव में मेडिकल टीम कर रही इलाजः मेहंदीपुर बालाजी प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. धनंजय मीना ने बताया कि सांकरवाड़ा गांव में फूड पॉइजनिंग का गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें अब तक काफी लोगों का प्राथमिक इलाज किया गया। मंगलवार को शाम 5 बजे दोबारा कुछ लोगों की तबीयत खराब हो गई।

5 बिजली कंपनियों के 3000 JEN का सामूहिक कार्य-बहिष्कार

बिजली मैनेजमेंट के बिगड़ने लगे हालात, जगतपुरा में महापड़ाव डालकर बोले...वेतन विसंगति दूर करे सरकार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के 5 विद्युत निगमों के छ्ब्बह सामूहिक कार्य बहिष्कार पर चले गए हैं। जिसका असर बिजली सप्लाई और डिस्ट्रिब्यूशन पर पड़ने लगा है। प्रदेशभर के करीब 3000 JEN (जूनियर इंजीनियर) सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं। बड़ी संख्या में JEN ने जयपुर के जगतपुरा में अनिश्चित काल के लिए महापड़ाव डाल दिया है। JEN की वेतन और ACP विसंगति दूर करने की 185वीं कॉर्डिनेशन कमेटी की सिफारिश रिपोर्ट के आदेश लागू नहीं होने से नाराज पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के नेतृत्व में यह आंदोलन किया जा रहा है। 26 मई से काली पट्टी बांधकर काम कर रहे इंजीनियर्स के सामूहिक हड़ताल पर जाने से प्रदेश में बिजली व्यवस्था चरमराने लगी है। बिजली के प्रॉपर डिस्ट्रिब्यूशन, टेक्नीकल फाल्ट सुधार, जीएसएस और फील्ड में बिजली पावर मैनेजमेंट के हालात गड़बड़ाने लगे हैं। जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों के साथ ही राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के जेईएन सामूहिक कार्य बहिष्कार पर हैं।

9-18-27 साल में भी प्रमोशन वाली पोस्ट की सैलेरी नहीं: पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के प्रदेश महासचिव राहुल वर्मा ने बताया कि प्रदेश में छठा वेतन आयोग लागू करते वक्त कुछ वेतन विसंगति रह गई थी। जिसे आज तक दूर नहीं किया गया है। पूरे सर्विस पीरियड में जेईएन को प्रमोशन नहीं होने पर 9-18-27 साल में भी प्रमोशन वाली पोस्ट की सैलेरी नहीं मिलती है। पिछले 12 सालों से एसोसिएशन इसके लिए संघर्ष कर रही है। लेकिन किसी सरकार ने सुध नहीं ली। 12 साल पहले जेईएन को फर्स्ट ग्रेड का दर्जा मिलता था। लेकिन आज वह थर्ड ग्रेड के दर्जे पर आ गया है। एनर्जी डिपार्टमेंट कई बार इस वेतन और ACP की खामी को दूर करने की सिफारिश कर चुका है। लेकिन पहले की तरह 10 इंक्रीमेंट और पहली ACP-5400 ग्रेड पे कर इस खामी को दूर करने की मांग को सरकार और वित्त विभाग ने अटका रखा है।

बिसलपुर-जवाई बांध सूखे

बारिश नहीं हुई तो पीने को पानी नहीं मिलेगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में इस बार पानी को लेकर बड़ा संकट सामने आ सकता है। आशंका है कि बारिश नहीं हुई तो हालात बिगड़ भी सकते हैं। सारी उम्मीद मानसून पर है। यह खुलासा हुआ है, सेंट्रल वाटर कमिशन (CWC) की ताजा रिपोर्ट में। राजस्थान ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्य पंजाब और हिमाचल प्रदेश में भी पानी को लेकर हालात बुरे हैं। CWC की रिपोर्ट के अनुसार पंजाब और हिमाचल प्रदेश में भी पानी पिछले दस सालों की तुलना में कम है।

CWC की रिपोर्ट के मुताबिक नार्थ इंडिया में राजस्थान, पंजाब और हिमाचल प्रदेश हैं। इनमें राजस्थान में पिछले सालों की तुलना में 29 प्रतिशत पानी कम है। जबकि पंजाब के बांधों में 15 प्रतिशत पानी कम है। हिमाचल में भी 9 प्रतिशत पानी कम आया है। इन तीनों राज्यों में दस वाटर स्टोरेज बने हुए हैं, जहां पानी का स्टोरेज होता है। चिंता की बात है कि सभी

दस वाटर स्टोरेज में पानी पिछले दस सालों की तुलना में कम है। राजस्थान में पांच वाटर स्टोरेज है और पांचों में पानी अपने न्यूनतम स्तर पर नहीं पहुंच सका है।

राजस्थान के हालात बुरे: हिमाचल प्रदेश, पंजाब व राजस्थान में 19.66 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी रह सकता है लेकिन फिलहाल यहां महज 5.03 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी ही हे। ये महज क्षमता का महज 26 पर्सेंट हैं। पिछले दस सालों का रिकार्ड देखें तो यहां तीस पर्सेंट क्षमता तक पानी भरा रहता है। इस बार तीन पर्सेंट पानी कम है।

कहां कितना पानी?: राजस्थान के बिसलपुर बांध में सामान्य रूप से आने वाले पानी का 64 प्रतिशत पानी आया है। जबकि जवाई बांध में 33 प्रतिशत और राणा प्रताप सागर में 44 प्रतिशत पानी आया है। पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान को अलग अलग करके देखें तो भी पानी का संकट साफ दिखाई दे रहा है। दरअसल, राज्य के पश्चिमी राजस्थान को पानी देने वाले गोविंद सागर बांध में 86 पानी कम चल रहा है। जबकि, पोंग डेम में 12 प्रतिशत और जवाई बांध में 5 प्रतिशत पानी कम चल रहा है। पूर्वी राजस्थान में सिर्फ गांधी सागर से मिल रहा पानी ही पिछले सालों की तुलना में न सिर्फ बेहतर बल्कि ज्यादा है। यहां दस सालों के औसत में 127 प्रतिशत पानी ज्यादा है। वहीं एमबी सागर बांध में दस वर्षों की तुलना में पानी कम है। बिसलपुर में जरूर 81 प्रतिशत पानी आ चुका है।

मानसून में आता है पर्याप्त पानी: राजस्थान के अधिकांश बांधों में मानसून में पर्याप्त पानी आ जाता है। इस बार प्री मानसून आ चुका है, जबकि मानसून भी समय पर आ जाएगा। जलदाय विभाग के पूर्व एक्सईएन बृजगोपाल व्यास का कहना है कि हर साल मानसून में राजस्थान व पंजाब के बांधों में इतना पानी आ जाता है कि पेयजल का संकट नहीं रहता।

पड़ोसी राज्यों में भी कम: राजस्थान को पंजाब, हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश से पानी मिलता रहा है। इस बार इन तीनों ही राज्यों में अब तक पानी की स्थिति ज्यादा बेहतर नहीं है। इन राज्यों में बने बांधों में इक्का दुक्का ही है, जहां पानी पिछले सालों की तुलना में बेहतर है, अलबत्ता नब्बे फीसदी बांधों में पानी कम है।

इन बांधों का असर राजस्थान पर: पश्चिमी राजस्थान के बारह जिलों को पानी रावी, ब्यास और सतलुज नदियों पर बने बांधों से मिलता है। इन बांधों पर भी अभी पिछले सालों की तुलना में पानी कम है। आमतौर पर यहां मानसून के बाद पानी भरता है। ऐसे में अच्छा मानसून होने पर ही यहां पानी आएगा, अन्यथा संकट हो सकता है।

महामारी के दुष्प्रभावों से बचाव में कारगर योगाभ्यास

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम है-योग फॉर ह्यूमैनिटी अर्थात मानवता के लिए योग। यह थीम स्पष्ट करती है कि कैसे कोविड-19 महामारी के दौरान योग ने इसके प्रकोप को कम करने में मानवता की सहायता की। पोस्ट कोविड के दौरान भी योग मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में कारगर भूमिका निभा रहा है। ऐसे में आवश्यक है कि पूरी दुनिया के लोग इसे अपनी जीवनशैली में शामिल करें और स्वस्थ, ऊर्जावान और आनंदमय जीवन जिएं।

योग-प्रभाव

अजेश कुमार

कोविड-19 महामारी के दौरान पूरे विश्व में योग ने चमत्कार दिखाया। योगाभ्यास करने वाले लोग इस रोग के दुष्प्रभावों से काफी हद तक अप्रभावित रहे और असमय काल कवलित होने से बच गए। योगाभ्यास करने वाले अधिकांश लोग कोविड-19 के शिकार होने के बाद भी सरलता से उसका सामना करने में सफल रहे। कहना चाहिए कि महामारी के दौरान योग ने पूरी दुनिया में अपनी शक्ति और महत्ता को सिद्ध करने में सफलता प्राप्त की।

मानसिक स्वास्थ्य में किया सुधार

कोरोना महामारी के दौरान और उसके बाद लोगों की जीवनशैली पूरी तरह से बदल चुकी है। कोरोना वायरस से संक्रमित होने का डर, भविष्य की अनिश्चितता, काम करने की आदतों में बदलाव, सोशल डिस्टेंसिंग जैसी वजहों से लोगों की मानसिक सेहत पर बहुत असर डाला। लोगों में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं का स्तर काफी बढ़ गया। लैंसेट साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि जो लोग कोविड-19 का इलाज करा चुके हैं, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्या जैसे पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर होने की संभावना अधिक होती है। ऐसे लोग इन सभी समस्याओं से योग का अभ्यास करके छुटकारा पा सकते हैं। योग इन सभी मानसिक समस्याओं के उपचार का एक सरल उपाय सिद्ध हुआ है।

श्वसन समस्याएं होती हैं दूर

कोरोना महामारी के दौरान देखा गया कि लोगों को सांस लेने में तकलीफ की समस्या सबसे अधिक सामने आई। योग विशेषज्ञों के अनुसार श्वसन संबंधी समस्याओं से बचने के लिए सूक्ष्म व्यायाम, संधि संचालन, ताड़ासन, भुजंगासन, धनुरासन, कटिचक्रासन, पवनमुक्तासन, शशांकासन, प्राणायाम जैसे योगासनों का नियमित अभ्यास बहुत कारगर साबित होता है। ऐसा करने से शरीर का रोग प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए योगनिद्रा का अभ्यास भी बहुत लाभदायक है। साथ ही ज्ञानमुद्रा, जलमुद्रा और प्राणमुद्रा का अभ्यास मानसिक शांति के साथ शरीर में पानी के कमी दूर करने और ऊर्जा स्तर बढ़ाने में काफी लाभदायक साबित होता है।

श्वसन रोगों से बचने के लिए प्राणायाम सबसे बेहतर उपचार साबित होता है। प्राणायाम से श्वसन तंत्र मजबूत होता है और कोरोना संक्रमण का खतरा काफी कम होजाता है। खासतौर पर अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति और सूर्य नमस्कार सहित कई दूसरे योगासन करने की सलाह दी जाती है।

प्राणायामः प्राणायाम श्वांस संबंधी योगासन है। इसको यौगिक श्वसन भी कहा जाता है। इसमें श्वसन के साथ ही हृदय और तंत्रिका तंत्र की एक्सरसाइज होती है। इससे भावनात्मक स्थिरता और मन की शांति आती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार प्राणायाम, ब्रीदिंग हेल्थ बेहतर करने के साथ-साथ हार्ट के लिए भी लाभकारी होता है।

इसे करने के लिए सबसे पहले साफ-सुथरी जगह पर मैट बिछाकर दोनों घुटनों को मोड़कर पद्मासन या सुखासन में बैठ जाएं। फिर दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर रखें। इस दौरान रीढ़ की हड्डी सीधी होनी चाहिए। अब आंखें बंद करके मन को एकाग्र करें। फिर धीरे से लंबी गहरी सांस लें। इस दौरान मुंह बिल्कुल भी नहीं खोलना है। फिर सांस को धीरे-धीरे छोड़ें। सांस को छोड़ते समय पेट को अंदर की ओर अवश्य खींचें। करीब 5 से 10 मिनट तक या फिर अपनी सुविधानुसार इसे दोहराते रहें।

उत्तानासनः उत्तानासन के अभ्यास से प्रतिरक्षा प्रणाली जीवंत हो उठती है। यह लंग्स में कंजेशन की समस्या दूर करता है। साइनस और म्यूकस मेंब्रेंस को स्वस्थ रखने के लिए उत्तानासन एक बेहतरीन योग है। इसे करने से माइल्ड डिप्रेशन से छुटकारा मिलता है और रात में अच्छी नींद भी आती है। इसके अभ्यास से दिमाग शांत रहता है, चिंता दूर करने में मदद मिलती है। यह आसन सिरदर्द को भी कम करता है। इसका अभ्यास सुबह के समय करने से दिन भर ऊर्जावान रहने का अहसास होता है।

उत्तानासन करने के लिए ताड़ासन की स्थिति में खड़े हो जाएं। दोनों हाथ-पैर शरीर के साथ मिले हों। सांस छोड़ते हुए कूल्हे से आगे की ओर थोड़ा झुकें। अब अपनी हथेलियों को अपने पैरों या फर्श पर सटाने की कोशिश करें। ऐसा आसानी से हो जाए तो ही करें। अब अपने माथे को घुटने के पास लाएं और आंखें बंद करके शरीर को रिलैक्स करने दें। इस स्थिति में कुछ सेकेंड तक रुकें और फिर पहले वाली स्थिति में वापस आ जाएं। इसे शुरुआत में कुछ सेकेंड के लिए 3 बार करें। बाद में अपनी सुविधा के अनुसार बढ़ा सकते हैं।

बालासनः बालासन, तनाव को दूर करने का सबसे बेहतरीन योगासन है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर लचीला बनता है। मांसपेशियों, जोड़ों और स्यान में ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से होता है। यह मस्तिष्क को शांत कर स्ट्रेस और थकान दूर करता है।

बालासन करने के लिए सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं। ठीक वैसे ही जैसे आप वज्रासन की मुद्रा में होते हैं। फिर शरीर के ऊपरी हिस्से को सामने की ओर झुकाएं और दोनों हाथ पीछे की ओर रखें। शरीर को झुकाते समय कोशिश करें कि सिर सामने जमीन को छुए। अब जितना हो सके उतनी देर तक इसी स्थिति में रहने की कोशिश करें। अब सांस छोड़ते हुए शरीर के ऊपरी भाग को उठाते हुए फिर से वज्रासन की मुद्रा में आ जाएं। *

(एमडीएनआईवाई, दिल्ली के योगाचार्य ललित जी से बातचीत पर आधारित)

योगाभ्यास से होने वाले लाभों को हम तभी प्राप्त कर सकते हैं, जब इसे सही विधि से करेंगे। इसके साथ ही योगाभ्यास के लिए निर्धारित सावधानियों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। इस बारे में आपके लिए बहुत उपयोगी जानकारियां।

योगाभ्यास के दौरान बरतें ये सावधानियाँ

सजगता

ए. कुमार

योग एक ऐसी शारीरिक प्रक्रिया है, जिससे हर उम्र के स्त्री-पुरुष लाभ उठा सकते हैं। आज के दौर में सिर्फ बड़ी उम्र के लोग ही नहीं विद्यार्थी भी तनाव के शिकार हो जाते हैं। ऐसी समस्याओं से मुक्ति दिलाने में योगाभ्यास बहुत प्रभावी है। खासतौर पर तनाव, सिरदर्द, अनिद्रा और बेचैनी आदि को दूर करने में योग काफी प्रभावी सिद्ध होता है। योग को नियमित रूप से करने के कई फायदे हैं, लेकिन इसे सही तरीके से करना आवश्यक है। योग करने से पहले, अभ्यास के दौरान और उसके बाद कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए, जिससे इसका पूरा लाभ प्राप्त हो सके।

इनका रखें ध्यान

- योग करने से पहले इसकी तैयारी कर लें। इसके लिए खुद को वार्म अप करें। इसके लिए कुछ सरल शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियां करें।
- हमेशा ऐसे योगासन का चुनाव करें, जिसे आप सही तरीके से कर सकें।
- सभी योगासन का सीक्वेंस जरूर करें यानी, किसी भी योगासन को शरीर के दोनों हिस्से से करें, तभी योगासन का चक्र पूरा होता है।
- हर पोज में आवश्यकतानुसार सांस लेने, छोड़ने की गति का ध्यान रखें या सामान्य गति से सांस लेते रहें।
- किसी भी योगासन का अभ्यास खाली पेट ही करें।
- योग करते समय ढीले और आरामदायक कपड़े ही पहनें।
- खुली और शांत जगह पर ही योगाभ्यास करें।
- योगाभ्यास के लिए सबसे बेहतर समय सुबह होता है, लेकिन इसका अभ्यास शाम को भी किया जा सकता है।
- योगाभ्यास कभी भी कठोर सतह पर न करें। हमेशा चटाई, कंबल या योग मैट बिछाकर ही योगाभ्यास करें।
- योग का अभ्यास करने से पहले स्नान करना अच्छा होता है।
- योग का अभ्यास जल्दबाजी में न करें। अगर आपको थकावट महसूस हो रही है तो योगाभ्यास करने से बचें।
- योगभ्यास प्रारंभ करने से पहले अपने योग टीचर को अपनी बीमारियों के बारे में अवश्य बताएं क्योंकि कुछ पुरानी बीमारियों और शारीरिक समस्याओं में योग वर्जित होता है।
- शुरुआती दौर में किसी अनुभवी-प्रशिक्षित योग गुरु के निर्देशानुसार ही योग का अभ्यास करें। सही तरीका सीख लेने के बाद आप घर पर ही योगाभ्यास कर सकते हैं। *

(योग प्रशिक्षक आनंदजी से बातचीत पर आधारित)

स्वस्थ तन-मन के लिए

दो कारगर योगासन

वैसे तो सभी योगासनों का शरीर और मन के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन उनमें से कुछ आसन ऐसे हैं, जिनके नियमित अभ्यास से तन को निरोगी और मन को स्वस्थ रख सकते हैं। इनके लाभ और विधि के बारे में जानिए।

योग-सलाह

उदयगी

योगाचार्य, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, दिल्ली

आज के तनाव भरे और तमाम व्याधियों वाले दौर में हर कोई चाहता है कि तनाव मुक्त जीवन जिए, बीमारियों से मुक्त और प्रसन्न रहे। इन सभी को किसी एक मार्ग से पाया जा सकता है तो वह मार्ग है-योग। एक संपूर्ण जीवन को संतुलित रूप से कैसे जिया जा सकता है? तन से, मन से, विचारों से, आचारों से स्वस्थ होने की अंतर्यात्रा पर कैसे चलें? यह अनुभव करना है तो योग के माध्यम से ही हो सकता है।

योग मानसोपचार भी करता है। हम जानते हैं कि शरीर का प्रभाव मन पर पड़ता है। यदि आप थके हैं, भूखे हैं तो क्रोध और चिड़चिड़ापन जरूर आएगा। कमजोर व्यक्ति को गुस्सा अधिक आता है। स्वस्थ लोग अधिक प्रसन्न रहते हैं। इसका कारण यही है कि शारीरिक स्वास्थ्य से मन प्रफुल्लित और शांत होता है। योगासन करने से स्नायु नियंत्रण होता है, सहनशक्ति बढ़ती है और मन को स्वस्थ-शांत बनाया जा सकता है। योगासन करने से मन संतुलन को प्राप्त करता है और शरीर में स्फूर्ति, साहस, धैर्य और हल्कापन महसूस होता है। आइए जानते हैं, मन और तन को स्वस्थ बनाने वाले दो विशेष योगासनों के बारे में-

व्रजासन

वज्र का अर्थ है कठोर, कड़ा, शक्तिशाली। परंतु योग में वज्र नाड़ी को कहते हैं। यह नाड़ी गुदा और अंडकोष के बीच में होती है। इस आसन में बैठने से वज्र नाड़ी पर दबाव पड़ता है। इसलिए इसे वज्रासन कहते हैं।

- पहले किसी शांत स्थान पर मैट बिछाकर बैठें। अब दोनों पैरों को पीछे मोड़कर घुटनों के बल बैठें। दोनों पैर के पंजे फैले हुए हों।
- दोनों अंगूठे एक-दूसरे से मिले हों। एड़ियां खुली हों। नितंब दोनों एड़ियों के बीच में रखें हों।
- अब बिल्कुल सीधे बैठ जाएं। मेरुदंड, गर्दन और पीठ तनी हुई हो, दोनों हाथ घुटनों पर रखे हुए हों।
- ऐसी स्थिति में स्वाभाविक सांस लेते हुए पूरी प्रक्रिया को दोहराएं।

शीर्षासन

शीर्ष का अर्थ है सिर, कपाल, या माथा। इस आसन में सिर के बल उल्टा खड़ा होना होता है। इसलिए इस आसन को शीर्षासन कहते हैं। यह आसन पूरे शरीर को शक्ति प्रदान करता है। इसलिए इसे आसनों का राजा कहा जाता है। इस आसन को करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। बाल सफेद नहीं होते, सफेद बाल काले हो जाते हैं। यह आसन अनेक मनोवैज्ञानिक विकारों दमा, सिरदर्द, अनिद्रा, शक्ति की कमी, जुकाम आदि को दूर करता है। इस आसनके नियमित अभ्यास से हाथ-पैर सुन्न होने की बीमारी दूर हो जाती है। इसे करनेके लिए पहले शांत स्थान पर मैट बिछाकर बैठ जाएं।

- वज्रासन में बैठकर दोनों हाथों की अंगुलियों को आपस में फंसाते हुए कोहनियों को जमीन पर टिकाएं।
- अब सिर को हाथों के बीच सटाकर रखिए और धीरे-धीरे घुटनों को जमीन से ऊपर उठाइए।
- अब यही प्रक्रिया दूसरे पैर से कीजिए। इस अवस्था में शरीर, हाथों में सिर के सहारे रहे।
- अब पैरों का ऊपरी भाग धड़ से दूर कर नितंब सीधे कीजिए।
- अब घुटनों को पूर्णतः सीधी अवस्था में ले आइए। इस अवस्था में शरीर पूरी तरह उल्टी दिशा में ऊपर की ओर तना रहेगा। यथासंभव इस स्थिति में रुकिए।
- तत्पश्चात पैरों को मोड़िए और अंगुलियों को जमीन पर टिका दीजिए।
- इसके बाद श्वांस-प्रश्वांस को सामान्य रखते हुए एक-एक कर पैरों कोऊपर-नीचे कीजिए।
- इस प्रक्रिया को अपनी सुविधानुसार 5 से 10 बार कर सकते हैं।

शरीर को स्वस्थ, लचीला बनाने और निरोगी बनाने के लिए इन दोनों के अलावा दूसरे योगासन जैसे बालासन, पद्मासन, प्राणायाम, सुखासन, गोमुखासन, वृक्षासन, भुजंगासन आदि भी आप योग शिक्षक के परामर्श से करके शरीर को निरोगी और मन को स्वस्थ बना सकते हैं। *

प्रस्तुति-अंजू गुप्ता

योगोपचार

आचार्य कौशल किशोर

योग गुरु

आजकल अस्त-व्यस्त जीवनशैली की वजह से ब्लड प्रेशर, शुगर और थाइरॉयड जैसी बीमारियां दिनों-दिन बढ़ती जा रही हैं। इन बीमारियों से बचने और इनको नियंत्रण में रखने के लिए योगाभ्यास करना बेहद कारगर है। ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में जानिए।

योगाभ्यास से रहेगा नियंत्रित डायबिटीज-थाइरॉयड-बीपी

योग की दृढ़ मान्यता है कि मनुष्य की अधिकांश स्वास्थ्य समस्याओं का मूल कारण जीवनशैली और उसका मन होता है। तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए योग बहुत कारगर है। यहां हम आपको बता रहे हैं डायबिटीज, बीपी और थाइरॉयड जैसी कॉमन बीमारियों में कारगर योगासनों के बारे में।

थाइरॉयड की समस्या

इसमें हाइपर और हाइपो दो प्रकार की थाइरॉयड समस्या हो सकती हैं। हाइपो थाइरॉयड से राहत के लिए कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। लेकिन जिन्हें हाइपर थाइरॉयड की शिकायत है, उनको नाड़ी शोधन प्राणायाम करना चाहिए।

भुजंगासनः इसे करने के लिए पहले पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। दोनों पैरों को जोड़े रखें। हाथों को कान के बगल में जमीन पर रख लें। अब हाथों के सहारे धड़ को इतना ऊपर उठाएं कि शरीर सर्प के आकार का हो जाए, पर पेट जमीन पर ही रहना चाहिए। इस स्थिति में श्वांस-प्रश्वांस को सामान्य रखते हुए आरामदायक समय तक रुककर वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। जिन्हें हर्निया की शिकायत हो वे इसका अभ्यास को न करें।

नाड़ी शोधन प्राणायामः इसे करने के लिए किसी भी आसन में बैठ जाएं और पांच लंबी और गहरी श्वांस-प्रश्वांस लें। फिर दाएं हाथ के अंगूठे से दाईं नाक को बंद कर बाईं नाक से लंबी और धीमी श्वांस सजगता पूर्वक अंदर लेकर, दाईं नाक से धीमी और लंबी प्रश्वांस बाहर निकालें। फिर इसी प्रक्रिया को बाईं नाक से दोहराएं। यह नाड़ी शोधन प्राणायाम का एक आवृत्ति है। इस तरह इसे दस बार जरूर करें।

इसके अलावा सर्वांगासन, मत्स्यासन, भुजंगासन और जानुशिरासन का अभ्यास भी लाभकारी है। *

डायबिटीज

मधुमेह यानी डायबिटीज जैसे रोग का मूल कारण खान-पान में अनियमितता के साथ मन का तनाव भी होता है। इसके लिए सूक्ष्म व्यायाम, मेरू वक्रासन, अर्ध मत्स्येंद्रासन, मंडूकासन बहुत कारगर होते हैं।

मंडूकासनः इसे करने के लिए घुटने के बल जमीन पर बैठ जाएं। पांच लंबी और गहरी श्वांस-प्रश्वांस सजगतापूर्वक लें। इसके बाद दोनों हाथ की मुठ्ठियों को बंदकर उन्हें नाभि पर रख कर आगे को झुकें। इस स्थिति में

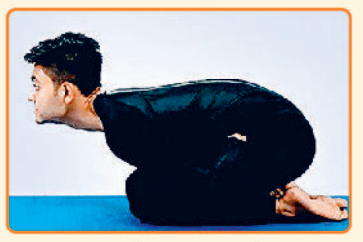

श्वांस-प्रश्वांस को सामान्य रखते हुए जितनी देर तक रुक सकते हैं, रुकें फिर वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। लेकिन इसका अभ्यास किसी योग गुरु की देख-रेख में ही करना चाहिए।

प्राणायामः डायबिटीज से राहत के लिए कपालभाति, भस्त्रिका और नाड़ी शोधन प्राणयाम का अभ्यास करना बहुत लाभकारी है। कपालभाति करने के लिए सिद्धासन, पद्मासन या सुखासन में रीढ़, गला और सिर को सीधा कर बैठ जाएं। आंखों को बंद कर पांच गहरी और लंबी श्वांस-प्रश्वांस लीजिए। अब अपनी दाईं नाक को बंद कर बाईं नाक से सामान्य श्वांस अंदर लेकर हलके झटके के साथ श्वांस बाहर निकालें। ऐसा लगभग 25 बार करें। इसके बाद बाईं नाक से भी वैसा ही करें। इसी प्रकार दोनों नाकों से एक साथ इस क्रिया का अभ्यास करें। *

बीपी या रक्तचाप

यह हाई या लो हो सकता है। हाई बीपी के समाधान के लिए नाड़ी शोधन प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम के अलावा ये आसन भी उपयोगी हैं।

जानुशिरासनः जमीन पर सीधे बैठ जाएं। दाएं पैर को आगे की ओर सीधा फैला लें। बाएं पैर के तलवे को दाएं पैर की जांघ से सटा दें। अब दोनों हाथों को ऊपर उठाकर आगे की तरफ इस प्रकार झुकें कि हाथ से दाएं पैर के पंजे को स्पर्श करें और अंतिम स्थिति में घुटने को स्पर्श करना है। इस स्थिति में आरामदायक समय तक रुककर वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। यही क्रिया दूसरे पैर से भी करें। जिन्हें स्लिप डिस्क हो वे इसका अभ्यास न करें।

भ्रामरी : इसके लिए ध्यान के किसी भी आसन में या कुर्सी पर रीढ़, गला और सिर को सीधा कर बैठ जाएं। आंखों को बंदकर सजगतापूर्वक पांच लंबी और गहरी श्वांस लेकर मुंह को बंद रखते हुए गले से भौंरे जैसी आवाज बाहर निकालें और इस आवाज को ध्यान से सुनें। इसे पांच से दस बार जरूर करें।

जिन लोगों को लो वीपी यानी निम्न रक्तचाप की शिकायत है, वे कपालभाति और नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास करें। इसके अलावा भुजंगासन का भी अभ्यास करें। *

प्रस्तुति-संध्या रानी

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

07

जयपुर » मंगलवार, 21 जून, 2022

एक नज़र

बीजेपी कार्यसमिति बैठक में गुटबाजी: बिना भाषण निकल गईं वसुंधरा

कटारिया बोले... मैडम ही जानें, क्या बात हुई?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने में जुटी भाजपा में फूट देखने को मिली है। BJP प्रदेश कार्यसमिति की कोटा में बुधवार को हुई बैठक में वसुंधरा राजे बिना भाषण दिए ही चली गईं। लंच ब्रेक के बाद वह सीधे संघ के कार्यालय पहुंचीं और दो घंटे तक वहीं रहीं। पूर्व CM राजे के लिए करीब 25 मिनट बोलने का समय तय किया गया था, पर उन्होंने भाषण नहीं दिया। सूत्रों के मुताबिक पार्टी में फूट और तालमेल की कमी का यह मामला दिल्ली में नेतृत्व तक पहुंच गया है। सियासी गलियारों में भी इस घटना की चर्चा है।

बैठक के तीसरे दिन शुरुआती दो सत्रों तक वह कार्यसमिति की बैठक में मौजूद रहीं, लेकिन लंच ब्रेक में बूंदी रोड रिसॉर्ट से बाहर निकलीं और फिर वापस बैठक में नहीं आईं। इसके बाद वह कोटा यूनिवर्सिटी कुलपति आवास पहुंची। वहां से गुमानपुरा में स्थित संघ कार्यालय चली गईं। वहां दो घंटे तक बंद कमरे में मंत्रणा की।

सूत्र का दावा- 3 दिन से राजे ऑफिस पूछ रहा था विषय: सूत्रों के मुताबिक वसुंधरा राजे का ऑफिस स्टाफ पिछले 3 दिन से प्रदेश बीजेपी पदाधिकारियों को फोन कर उनके उद्बोधन के बारे में पूछ रहा था। स्टाफ ने पूछा था कि उद्बोधन होगा या नहीं, अगर होगा तो क्या विषय रहेगा। इसकी जानकारी बुधवार सुबह 9 बजे को फोन कर दी गई, जबकि भाषण का सब्जेक्ट कार्यसमिति की बैठक में पहुंचने के बाद उन्हें बताया गया।

इनमें हाल ही में घोषित केन्द्र सरकार की 10 लाख नौकरियों की स्कीम और एक दिन पहले ही लागू की गई अग्निपथ सैनिक स्कीम शामिल थी। ये एकदम से नए सब्जेक्ट थे। बताया जा रहा है वसुंधरा राजे मोदी सरकार के 8 साल की उपलब्धियों पर भाषण की तैयारी करके गई थीं। राजे की कार्यशैली ऐसी रही है कि वे बिना पूर्व तैयारी के भाषण नहीं देती हैं। राजे को 25 मिनट उद्बोधन देना था। सूत्र बताते हैं कि राजे ने प्रदेश कार्यसमिति में कुछ नेताओं को अपना पक्ष भी रखा। इसके बाद वहां असमंजस की स्थिति पैदा हुई। राजे के कार्यसमिति छोड़कर चले जाने के बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने संबोधन दिया।

मैडम ही बता सकती हैं, मैं कैसे बता सकता हूं- कटारिया: इस घटनाक्रम पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा- 'मैडम ही बता सकती हैं। मैं कैसे बता सकता हूं। वो पहले और दूसरे सत्रों में उपस्थित जरूर थीं। लेकिन बाद वाले में नहीं रहीं। चार राज्यों में बीजेपी की सरकारें बनी हैं। उनका उसके बारे में विषय था। बाकी वसुंधरा राजे ही बता सकती हैं। मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है।'

डॉ. किरोड़ीलाल को दूंगा एक करोड़ का चंदा

धुर विरोधी विधायक हुड़ला की पीएम से मांग, किरोड़ीलाल मीणा को घोषित करें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार

दौसा। प्रदेश की राजनीति में पूर्वी राजस्थान के दो धुर विरोधी नेताओं के तल्ख़ रिश्ते जगजाहिर हैं, ये दोनों नेता अक्सर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी लगाते देखे जाते हैं। ऐसे में इनमें से प्रदेश की सत्ता पक्ष के नजदीकी एक नेता ने अपने ही धुर विरोधी नेता को रायसीना हिल भेजने की मांग की है। यही नहीं इन्होंने चुनाव खर्च के लिए एक करोड रुपए देने की घोषणा भी की है। हम बात कर रहे हैं दौसा जिले के महुवा से निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुड़ला की, इन्होंने अपने जन्मदिन पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि हमारी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता हो सकती है, डॉ. किरोड़ीलाल मीणा तथा मैं भी विधायक बनना चाहता हूं। उनका स्वार्थ हो सकता है, मेरा स्वार्थ भी हो सकता है, लेकिन राजस्थान की धरती पर डॉ. किरोड़ीलाल ने 40 साल राजनीति कर लोगों की सेवा की है। ऐसे में मैं पूरे आदिवासी समाज की ओर से प्रधानमंत्री से मांग करता हूं कि 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए डॉ. किरोडीलाल मीणा को राष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए।

राज्यसभा जीत के बाद अब ईडी विरोधी कांग्रेसी मुहिम में सक्रियता से सियासी हलचल

दिल्ली में सड़क से वॉर-रूम तक गहलोत एक्टिव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राहुल गांधी से नेशनल हेराल्ड मामले में ED की पूछताछ से दिल्ली से जयपुर तक सियासी माहौल को गर्मा गया है। कांग्रेस के नेता बढ़-चढकर ED के नोटिस का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। कांग्रेस में हर नेता इस वक्त राहुल गांधी के साथ दिखना चाहता है। वहीं, इस विरोध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत फ्रंट रोल में नजर आ रहे हैं। दिल्ली में कांग्रेस की इस मुहिम में गहलोत के फ्रंट रोल में दिखने के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

प्रदर्शनों से लेकर पार्टी का पक्ष रखने तक हर मोर्चे पर गहलोत की सक्रिय मौजूदगी सियासी चर्चा का विषय बनी हुई है। गहलोत शुरू से ही ED, CBI और इनकम टैक्स छापों को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर रहे हैं। राहुल गांधी और सोनिया गांधी को नोटिस मिलने के बाद से तेवर और तल्ख हो गए। मुख्यमंत्री बनने से पहले गहलोत कांग्रेस के संगठन महासचिव के रोल में थे। ED विरोधी आंदोलन में गहलोत उसी पुराने रोल में नजर आ रहे हैं। राज्यसभा चुनाव जीतने के बाद गहलोत की नेशनल लेवल पर कुशल रणनीतिकार और सियासी पकड़ वाले नेता की छवि बन गई है।

रणनीति बनाने से लेकर दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन तक एक्टिव: राहुल गांधी से पूछताछ के दौरान कांग्रेस मुख्यालय से लेकर ED के दफ्तर के बाहर तक मुख्यमंत्री गहलोत और भूपेश बघेल वरिष्ठ नेताओं के साथ सड़कों पर दिखे हैं। गहलोत कांग्रेस दफ्तर में बड़े नेताओं के साथ रोज रणनीति बनाते हैं और फिर उनके साथ प्रदर्शनों में भी नजर आ रहे हैं। पार्टी का पक्ष रखने में भी गहलोत को प्रायरिटी दी जा रही है।

गहलोत की सक्रियता के सियासी मायने

गहलोत को गांधी परिवार की चार पीढ़ियों के साथ काम करने का अनुभव है। कांग्रेस की अंदरूनी राजनीतिक उठापटक के बावजूद यही अनुभव सियासी रूप से उनके काम आता रहा है। राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए गहलोत संगठन महासचिव रहते हुए उनके साथ काम कर चुके हैं, सोनिया गांधी की टीम में राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं। संगठन में काम करने के इस अनुभव के चलते ही वे अब फिर फ्रंट में दिख रहे हैं। इस सियासी सक्रियता ने कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा छेड़ दी हैं।

सरकार-संगठन की नियुक्तियों में गहलोत खेमे का रह सकता है दबदबा

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ED विरोधी मुहिम के तहत दिल्ली में चल रहे सियासी प्रदर्शन का राजस्थान कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों पर आगे असर होगा। कांग्रेस में फिलहाल दो ही प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही कांग्रेस की सरकार है, इसलिए दोनों मुख्यमंत्रियों की पूछ ज्यादा है। गहलोत का सियासी अनुभव और एक्सपोजर ज्यादा रहा है, जिसका असर पिछले तीन दिन से देखा जा रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि आगे सरकार और संगठन की नियुक्तियों में मुख्यमंत्री खेमे का दबदबा देखने को मिल सकता है।

बेरोजगारों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय का किया घेराव

8 सूत्री मांगों को लेकर कर रहे प्रदर्शन, 4 दिन से दे रहे हैं धरना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान सरकार के खिलाफ बेरोजगारों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 4 दिन से लंबित मांगों को लेकर शहीद स्मारक पर धरना दे रहे बेरोजगार गुरुवार सुबह प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गए। जहां पुलिस ने उन्हें बाहर ही रोक दिया इससे नाराज बेरोजगारों ने पीसीसी मुख्यालय के बाहर ही धरना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार हमारी सभी मांगों को नहीं मान लेती, हम यहां से नहीं उठेंगे।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि सरकार ने कई बार हमसे लिखित समझौता किया। बावजूद इसके अब तक हमारी लंबित मांगों को पूरा नहीं किया है। बेरोजगार इस बार सरकार की लॉलीपॉप के झांसे में नहीं आएंगे। अब हमें समझौता नहीं फैसला चाहिए। ऐसे में जब तक हमारी मांगों पर फैसला नहीं हो जाता। तब तक हमारा धरना जारी रहेगा। उपेन ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम दिल्ली भी कूच करेंगे। लेकिन हम अब पीछे नहीं हटेंगे।

उपेन ने कहा कि सरकार के इशारे पर पुलिस ने हम पर लाठीचार्ज किया। हमारे खिलाफ झूठी शिकायतें दर्ज कर पुलिस केस तक किए गए है। लेकिन हम डरेंगे नहीं, बल्कि कांग्रेस को उसी की भाषा में जवाब देंगे। ऐसे में अगर आप भी कांग्रेस ने हमारी मांग नहीं मानी तो हम आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जड़ से उखाड़ फेकेंगे।

बेरोजगारों की प्रमुख मांग

- टैक्निकल हेल्पर भर्ती में पद बढाकर 6000 किये जाए।
- पंचायतीराज विभाग JEN भर्ती की विज्ञप्ति जल्द से जल्द जारी करें।
- जूनियर अकाउंटेंट भर्ती को CET से बाहर किया जाए।
- राजस्थान की सरकारी नौकरियों में बाहरी राज्यों का कोटा फिक्स किया जाए।
- रेडियोग्राफर लैब टेक्नीशियन ईसीजी भर्ती की विज्ञप्ति जारी की जाए।
- शिक्षक भर्ती में विशेष शिक्षकों के पद बढ़ाए जाए।
- पंचायजी राज एलडीसी 2013 मुख्य परीक्षा का कलेंडर जारी किया जाए।
- लखनऊ और पूर्व में हुए लिखित समझौतों की तमाम मांगे जल्द से जल्द पूरी की जाए।

गहलोत सरकार अगले साल देगी 1.5 लाख नौकरियां, RPSC-कर्मचारी चयन बोर्ड करेगा भर्ती

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गहलोत सरकार ने अगले साल तक डेढ़ लाख बेरोजगारों को नौकरियां देने का प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री गहलोत ने सभी विभागों को ऐसे पद भरने के लिए कहा है जो लंबे समय से खाली पड़े हैं। इनके अलावा कई विभागों में नई पोस्ट भी क्रिएट की जाएंगी। दोनों एजेंसियों की ओर से 82 हजार भर्तियों के लिए कैलेंडर भी जारी कर दिया गया है। सरकार ने हर साल 75 हजार बेरोजगारों को नौकरी देने की घोषणा की थी और अब तक कुल 2.25 लाख से ज्यादा जॉब्स देने थे, लेकिन 1 लाख 19 हजार 559 पदों पर ही नौकरियां दी गई हैं। जानकारी के अनुसार सीएम गहलोत खुद भर्तियों की प्रोसेस की मॉनिटरिंग करेंगे। हाल ही में मोदी सरकार ने भी दस लाख नौकरियां देने की घोषणा की है।

राजस्थान समेत करीब 12 राज्यों में अगले साल तक विधानसभा चुनाव का दौर चलने वाला है। 2024 में लोकसभा के चुनाव होंगे। केन्द्र और राज्य दोनों सरकारें युवाओं को इन भर्तियों के जरिए फीलगुड करवाना चाहती हैं। बेरोजगारी दोनों के लिए बड़ा मुद्दा है।

कांग्रेस केन्द्र सरकार पर 2 करोड़ रोजगार देने की वादाखिलाफी के आरोप लगाती आई है। वहीं बीजेपी भी गहलोत सरकार पर बेरोजगार युवाओं के लिए बजट घोषणा और चुनावी वादे के मुताबिक भर्तियां निकालकर रोजगार नहीं देने के आरोप लगाती रही है।

नियुक्तियां नियमित पैटर्न पर होंगी: राजस्थान सरकार सभी भर्तियां रेगुलर और स्थाई आधार पर देने की प्लानिंग कर रही है। नियमानुसार सभी सुविधाओं के साथ कर्मचारियों को स्थाई नियुक्ति की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक अगले साल आचार संहिता लागू होने से पहले सभी परीक्षाओं की भर्तियां निकालने, परीक्षा करवाने और रिक्रूटमेंट का प्रोसेस पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, केंद्र में अग्निवीर की भर्तियां 4 साल के लिए होंगी। उसके बाद 25 फीसदी को रेगुलर के तौर पर अप्लाई करने का मौका मिल सकेगा। ज्यादातर भर्तियां डिपार्टमेंट और मंत्रालय की ज़रूरत और जॉब के नेचर के आधार पर होंगी। केंद्र की कोशिश है कि ज्यादा आर्थिक भार सरकार पर नहीं पड़े। पेंशन के दायरे में सभी कर्मचारी नहीं आएंगे।

बेरोजगारी में नंबर दो राजस्थान: राजस्थान बेरोजगारी पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) के ताजा आंकड़ों के अनुसार मई-2022 में प्रदेश में बेरोजगारी दर 22.2 फीसदी रिकॉर्ड की गई है। राज्य में परीक्षाओं में गड़बड़ी, रद्द होना या कोर्ट केसेज में उलझना बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण माना गया है। प्रदेश में कुल बेरोजगारों की संख्या 65 लाख है।

हर दूसरे ग्रेजुएट के पास न्यूनतम मजदूरी कमाने तक का कोई साधन नहीं है। राजस्थान में बेरोजगार ग्रेजुएट्स की संख्या भी सबसे ज्यादा हैं। यहां 20.67 लाख ग्रेजुएट बेरोजगार हैं। पिछले 4 सालों में प्रदेश के ग्रेजुएट में बेरोजगारी 4 गुना बढ़ी है, जबकि दिल्ली में यह संख्या 3 गुना से ज्यादा बढ़ी है।

मई-2022 की हालिया रिपोर्ट में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा की रही। जो 24.6 फीसदी बेरोजगारी रेट के साथ पहले स्थान पर है। जम्मू-कश्मीर में 18.3 फीसदी बेरोजदारी रेट के साथ तीसरे, त्रिपुरा 17.4 फीसदी के साथ चौथे, देश की राजधानी दिल्ली 13.6 फीसदी बेरोजगारी रेट के साथ 5वें स्थान पर रहा।

शिक्षा विभाग, यहां नियम छोटे हैं

घूस का आरोपी JEN थर्ड ग्रेड शिक्षक निकला, नियम नहीं फिर भी 14 साल से डेपुटेशन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। शिक्षा विभाग की अंधेरगर्दी देखिए...एक थर्ड ग्रेड शिक्षक 14 सालों से जेईएन बना बैठा था और इसकी पोल तब खुली जब यह दो दिन पहले रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मूल विभाग खंगाला को हैरान करने वाला खुलासा हुआ। रिश्वत का आरोपी ज्ञानप्रकाश शुक्ला जेईएन नहीं बल्कि थर्ड ग्रेड शिक्षक है और प्रारंभिक शिक्षा का कर्मचारी है।

पहले प्रारंभिक शिक्षा परिषद में और अब समग्र शिक्षा अभियान में प्रतिनियुक्ति पर 14 साल से जेईएन पर है। समग्र शिक्षा अभियान ने इसकी प्रतिनियुक्ति समाप्त कर दी। डीईओ प्रारंभिक मुख्यालय ने शुक्ला को निलंबित कर दिया।

शिक्षा संकुल में समग्र शिक्षा अभियान के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय जयपुर में जेईएन पद पर काम कर रहे ज्ञानप्रकाश शुक्ला को एसीबी ने स्कूल भवन बनाने वाले ठेकेदार से सोमवार को 50 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। रिकार्ड में आया प्रयोगशाला सहायक के पद पर 1992 में पोस्टिंग हुई थी और 1997 में यह तृतीय श्रेणी शिक्षक के पद पर समायोजित हो गया था। वर्ष 2008 में प्रारंभिक शिक्षा परिषद में जेईएन के पद पर लग गया और 2017 से यह एडीपीसी कार्यालय जयपुर में जेईएन के पद पर कार्यरत था।

14 साल से डेपुटेशन पर, स्कूल नहीं गया शुक्ला: प्रारंभिक शिक्षा में डेपुटेशन पर शिक्षकों को लगाया जाता है। शुक्ला ने कहीं से इंजीनियरिंग में प्रमाण पत्र ले रखा था और इसी आधार पर अध्यापक होते हुए भी जेईएन पद पर लग गया। जेईएन का पद 'मलाईदार' माना जाता है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूल भवनों का निर्माण और मरम्मत का काम होता है। इसके लिए केंद्र से करोड़ों रुपए आते हैं। बिल जेईएन पास करता है। इधर, 14 साल तक प्रतिनियुक्ति का नियम नहीं है, इसके बाद भी ज्ञान डेपुटेशन पर रहा।

ज्ञानप्रकाश शुक्ला की पोस्टिंग प्रयोगशाला सहायक के पद पर हुई थी और फिर अध्यापक के पद पर समायोजित हुआ। इसका मूल पद अध्यापक का है। अभी प्रतिनियुक्ति समाप्त कर दी गई है।

कहाँ-कहाँ पोस्टिंग रही शुक्ला की

- तिगरिया गोविंदगढ़ 1992 से 1996 तक प्रयोगशाला सहायक।
- फागी 1997 तक प्रयोगशाला सहा.
- अणतपुरा बस्सी 1997 से 2006 तक अध्यापक पद पर समायोजन।
- थानागाजी 2008 से 2013 तक जेईएन के पद पर तैनात रहा।
- बूंदी 2013-17 तक जेईएन।
- एसएसए 2017 से जेईएन।

कॉन्ट्रैक्ट पूरा, फिर भी जयपुर-दिल्ली हाईवे पर देना होगा टोल

NHAI वसूल रही है टोल, 260- 880 रुपए तक देने होंगे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बीओटी) आधार पर बने एक्सप्रेस हाइवे पर निर्माण लागत (कंस्ट्रक्शन कॉस्ट) पूरी वसूलने के के बाद भी टोल टैक्स आपको देना पड़ेगा। क्योंकि इन टोल वसूली से सरकार अपने कोष को भरने में लगी है। यही कारण है कि टोल वसूलने वाली कंपनी का अनुबंध खत्म करने के बाद भी नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) जयपुर-गुड़गांव हाईवे पर टोल वसूलना न तो खत्म किया और न ही उसकी दरों में कोई कमी की है।

दरअसल, देश में कोई भी एक्सप्रेस हाइवे जब बीओटी पर बनते है तो उसकी निर्माण लागत को वसूलने के लिए सरकार एक निर्धारित समय तक उस रोड पर टोल टैक्स वसूलती है। इस अवधि में जितना भी टोल टैक्स वसूल होता है वह हाइवे बनाने वाली कंपनी और सरकार के बीच बंटता है। इस टोल से कंपनी को हाईवे निर्माण और उसके मेंटेनेंस की कॉस्ट और प्रॉफिट मिल जाता है, जबकि सरकार को हाईवे के लिए अवाप्त की गई जमीन के बदले दिए गए मुआवजे का पैसा।

जयपुर-गुड़गांव हाइवे पर 225 किलोमीटर लम्बाई की इस टोल रोड पर 3 जगह टोल टैक्स वसूला जाता है। शाहजहांपुर, मनोहपुर और दौलतपुरा में पिंकसिटी एक्सप्रेस प्रा.लि. टोल टैक्स वसूल करती थी। इस कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट पिछले महीने NHAI ने खत्म कर दिया और अपने स्तर पर वसूली शुरू कर दी।

'बीजेपी नेताओं के बाप-दादा भी कांग्रेसमुक्त भारत नहीं बनवा पाएंगे'

सीएम गहलोत ने कहा...बीजेपी ऑफिस में पुलिस घुसी तो सोचिए क्या बीतेगी?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी के कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के नारे पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कांग्रेस के सत्याग्रह धरने में गहलोत ने कहा- पीएम मोदी और बीजेपी से हमारी व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, हमारी विचारधारा की लड़ाई है।

गहलोत ने कहा कि बीजेपी वाले हमें दुश्मन मानते हैं, कांग्रेसमुक्त भारत बनाने की बात कहते हैं। अरे, आप लोगों के बाप-दादा भी आ जाएंगे तो कांग्रेसमुक्त भारत नहीं बनने वाला है। देश में हर जगह कांग्रेस है, हर गांव में कांग्रेस की चौकी है। यह विचारधारा है, यह कभी मुक्त नहीं होगी। कांग्रेस की विचारधारा देश का डीएनए है।

बीजेपी-आरएसएस ने करप्शन में आतंक मचा रखा है: गहलोत ने कहा- ये संविधान-कानून से नहीं अपनी सोच से देश को चलाना चाहते हैं। इनकी सोच बहुत खतरनाक है, पता नहीं क्या-क्या सोच रखा है। आरएसएस-बीजेपी ने करप्शन में आतंक मचा रखा है। इनकम टैक्स, ईडी में आपके मिलने वाले कोई हों तो पूछना, देश में 10 गुना करप्शन बढ़ गया। ये लोग देश को लूट रहे हैं, इसीलिए लोकपाल की बात करना छोड़ दिया।

राहुल गांधी से ईडी पूछताछ का विरोध कर रहे कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने और कांग्रेस मुख्यालय में पुलिस घुसने को लेकर भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

गहलोत ने बीजेपी पर तंज कसते हुए संकेत दिए कि अगर राजस्थान बीजेपी दफ्तर में पुलिस घुस जाए तो क्या बीतेगी? दिल्ली में मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा- राजस्थान में हमारी सरकार है, बीजेपी वाले राजस्थान में आंदोलन करें, तो क्या हम वो ही व्यवहार करें जो इन्होंने हमारे साथ किया।

गुजरात में मोदीजी के भाई के यहां छापा पड़ेगा तो कैसा लगेगा?: गहलोत ने कहा- मैंने 13 को सीबीआई, ईडी, सीबीडीटी प्रमुखों से मिलने का वक्त मांगा था, 15 को मेरे भाई के खिलाफ मुकदमा हो गया और 17 को छापा ही पड़ गया। सियासी संकट के वक्त भी मेरे भाई के यहां छापा डाला था। 45 साल से मेरे भाई के यहां कोई शादी होती है तो मैं जैसे आम वर्कर के यहां

जाता हूं, उसी तरह जाता हूं।

उन्होंने कहा- मेरे भाई और मेरे बीच 45 साल से यही संबंध हैं। मनमुटाव भी नहीं हैं, मैंने अपने आपको समर्पित कर रखा है कांग्रेस को। मेरे कारण दूसरों को तकलीफ क्यों हो? जिस तरह पीएम मोदी के भाई को कोई नहीं जानता, उसी तरह मेरे भाई को भी कोई नहीं जानता। जब बीजेपी का राज नहीं हो और गुजरात में नरेंद्र मोदी के भाई के घर छापेमारी हो तो क्या उन्हें अच्छा लगेगा?

ईडी का नोटिस देते शर्म आनी चाहिए: गहलोत ने कहा- हालात बड़े गंभीर हैं और ये भी टाइम निकल जाएगा, इनको मुंह की खानी पड़ेगी, कुछ नहीं होने वाला है। अभी पीएम मोदी और अमित शाह के नजदीकी मित्र और सलाहकार इन्हें सही सलाह नहीं दे रहे हैं। वे सलाह देते हुए घबराते होंगे कि पता नहीं प्रधानमंत्री जी नाराज हो जाएंगे।

सोनिया गांधी जैसी नेता जिसने प्रधानमंत्री का पद नहीं लिया उन्हें ईडी का नोटिस दिलवा दिया। प्रधानमंत्री नहीं बनने और बनने में रात-दिन का फर्क होता है, प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया जिस महान नेता ने, उनको आपने नोटिस दिलवा दिया ईडी का? थोड़ी बहुत तो एजेंसी वालों को शर्म आनी चाहिए थी। वो कह सकते थे कि भई आप क्या करवा रहे हो हम लोगों से? पर कर दिया दबाव में क्योंकि उनको नौकरी करनी है बेचारों को।

जेल भरो अभियान करना पड़ा तो करेंगे, हम सब जेल जाएंगे: गहलोत ने कहा- देशभर का कार्यकर्ता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के साथ खड़ा है। जिस तरह 1977 में इंदिरा गांधी को जेल भेजा गया था, उस वक्त जैसा माहौल था, वैसा ही जोश आज नजर आ रहा है। हमें केंद्र के खिलाफ जेल भरो अभियान करना पड़ा तो वह करेंगे, हम सब लोग जेलों में जाएंगे।

हमारी एकजुटता के आगे केंद्र को झुकना पड़ेगा, कार्यकर्ता रीढ की हड्डीः पायलट

जयपुर/नई दिल्ली। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने अग्निपथ स्कीम और राहुल गांधी से ईडी पूछताछ को लेकर केंद्र सरकार को जमकर घेरा। पायलट ने कहा- केंद्र सरकार अग्निपथ लाकर नौजवानों के भविष्य को बर्बाद करना चाहती है। आप देश को हमेशा उबाल पर रखना चाहते हो। देश को टकराव पर रखना चाहते हैं। हिंसा का माहौल पैदा करना चाहते हैं। उदयपुर डिक्लेरेशन के वक्त सोनिया गांधी ने कहा था कि पार्टी ने नेताओं को बहुत कुछ दिया है। आज देश को जरूरत है, लोकतंत्र को जरूरत है कि हम सड़कों पर आकर संघर्ष करें। हम एकजुट होकर बात रखेंगे तो हमारी आवाज के सामने केंद्र सरकार को झुकना पड़ेगा क्योंकि जनता जनार्दन है और कार्यकर्ता रीढ की हड्डी है। पायलट दिल्ली में जंतर मंतर पर कांग्रेस के धरने में बोल रहे थे। पायलट ने कहा- मोदी सरकार ने पिछले आठ साल में सामने वाले की आवाज को दबाने का काम किया है। चुनावों में हिंदू मुस्लिम करके वोट लिए। सेना में अग्निपथ स्कीम सरकार ने बनाई, यह किससे पूछकर बनाई। कल इसका बचाव करने के लिए फौजियों को सामने ले आए। अग्निपथ की घोषणा और फैसला राजनीतिक और प्रशासनिक है। चार साल बाद नौजवान कहां जाएगा, वह फिर सड़क पर आ जाएगा।

प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में वर्तमान सरकार के विरुद्ध खुलकर बोले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया

पुलिस का दुरुपयोग करना मुख्यमंत्री की फ़ितरत

जयपुर। सोमवार को प्रेस से मिलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन पिंक सिटी प्रेस क्लब में किया गया जिसमें बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया प्रेस की बड़ी संख्या से मुखातिब हुए। बीजेपी के इतिहास को परत दर परत खोलते हुए डॉ. सतीश पूनिया बोले कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा हर वर्ग के लिए और देश की राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय नीतियों के लिए कटिबद्ध रहा है। महिला वर्ग,गरीब वर्ग, वंचित वर्ग, विकलांग वर्ग,युवा वर्ग सभी वर्गों पर बीजेपी ने कार्य किया है अगर सर्वे किया जाए तो मालूम किया जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी हर विषय और हर वर्ग के लिए काम करती रही है ।

राजस्थान के मुख्यमंत्री लगातार पुलिस का दुरुपयोग कर रहे हैं और ऐसे में राजस्थान में अराजकता का माहौल अपने आप नजर आता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आए हुए प्रश्नों में से एक प्रश्न था कि क्या आप आगामी चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में सामने आ सकते हैं ?

इस पर डॉ. पूनिया ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्टी की निःस्वार्थ भाव से कटिबद्ध तरीके से सेवा करना मेरा उद्देश्य है और इसके अलावा में कोई ना तो सपने देखता हूँ और ना मेरी ऐसी कोई मंशा है। पार्टी का निर्णय सर्वोपरि है मेरे लिए।

हिलव्यू समाचार का प्रश्न

1. प्रताप सिंह खाचरियावास केबिनेट मंत्री का कहना है कि अग्निपथ योजना से स्वयं सेना आहत है, यह योजना सेना का अपमान है और बीजेपी कहती है कि तीनों सेनाओं के प्रमुख के साथ यह योजना दो साल में तैयार करके लागू की गई है,क्या यह स्टेटमेन्ट युवाओं में भ्रम पैदा नहीं करता?

उत्तरः आपके प्रश्न में सुझाव भी है बिल्कुल सही है कि राजस्थान के मंत्रिपद पर रहते हुए भ्रामक और झूठे वक्तव्य जारी करना कॉंग्रेस सरकार के लिए बड़े अफ़सोस की बात होनी चाहिए। रविवार को बड़ी कॉन्फ्रेंस के ज़रिए तीनों सेना प्रमुख ने मीडिया के माध्यम से जनता से रूबरू हो चुके हैं और यह योजना सेना द्वारा ही 02 साल में बनकर तैयार हुई है। युवाओं को अपडेट रहना चाहिए और स्वविवेक से इस राष्ट्रीय नीति का सम्मान करना चाहिए।

2. कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश कहतीं हैं कि नेशनल हेराल्ड केस में एफआर लग चुकी है। राहुल जी व कॉंग्रेस को बदनाम करने की साज़िश है ये पेशी?

उत्तरः यह सही नहीं है। नेशनल हेराल्ड केस अब भी खुला है और इसी के तहत राहुल से पूछताछ जारी है।

सृष्टि द विमन्स क्लब ने राजकीय विद्यालयों में वाटरकूलर और आरओ लगवाया और शौचालय भी बनवाया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सृष्टि द विमन्स क्लब की तरफ से हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर वेदपुरी, आदर्श नगर स्थित चौधरी खूमसिंह सावित्री राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के लिये वॉटर कूलर और आर ओ लगवाया ताकि ऐसी भीषण गर्मी में ठंडा पानी मिल सके। इस कार्यक्रम का उदघाटन वार्ड नम्बर 93 के पार्षद नीरज अग्रवाल ने रिबन काट कर किया और साथ ही क्लब की मीडिया प्रभारी रेनू अग्रवाल के द्वारा जामडोली स्थित राधा कृष्ण मंदिर में निर्माण कार्य मे आर्थिक योगदान देने के साथ ही डेढ़ किलो वजनी घण्टा चढ़ाया गया। सृष्टि क्लब की तरफ से ही प्रताप नगर खानिया स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में बालिकाओं के लिये टॉयलेट निर्माण के लिए निर्माण सामग्री सहित आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई ताकि बालिकाओं को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े । इस अवसर पर क्लब संस्थापक मधु सोनी, महासचिव रेणू खुराना, एडवाइजर ब्रजेश पँवार, नीलिमा माँ, मंजू शर्मा, सीमा वासनानी और विमला उपस्थित रहे।

20 हजार यात्रियों को 15 तीर्थ फ्री के घुमाएगी सरकार

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा के आवेदन शुरू, ट्रेन-हवाई जहाज से होगा सफर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भारत-नेपाल के 15 तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाने के लिए अशोक गहलोत सरकार ने वरिष्ठ नागरिक फ्री तीर्थ यात्रा को फिर से शुरू किया है। इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया आज शुरू हो गई, जो 10 जुलाई तक चलेगी। इस योजना में राज्य के 20 हजार बुजुर्गों को यात्रा करवाई जाएगी, जो ट्रेन और हवाई जहाज के जरिए होगी।

इस यात्रा में उन व्यक्तियों को नहीं ले जाया जाएगा जो शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम न हो। किसी प्रकार के संक्रामक रोग जैसे टी.बी., कांजेस्टिव, कार्डियक, श्वास में अवरोध, कोरोनरी अपर्याप्तता, कोरोनरी थ्रोम्बोसिस, मानसिक व्याधि, कुष्ठ आदि रोग से ग्रसित होगा तो उसे यात्रा के लिए नहीं ले जाया जाएगा। ऐसे आवेदक जिनकी उम्र 70 साल से अधिक है और जीवन साथी साथ में यात्रा नहीं कर रहे हैं तो वह अन्य व्यक्ति को सहायक के रूप में ले जा सकेंगे।

7 जिलों से चलेगी ट्रेन: ट्रेन से यात्रा करने वाले लोगों को राज्य के 7 अलग-अलग जिलों से ट्रेन उपलब्ध होगी। ये ट्रेन जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर और अजमेर जिलों से चलेगी। ट्रेन से 18 हजार बुजुर्गों को यात्रा करवाई जाएगी, जबकि 2 हजार बुजुर्गों हवाई जहाज से नई दिल्ली से नेपाल लेकर जाएंगे।

आप की सक्रियता से कांग्रेस बीजेपी हुई एकजुट: मयंक त्यागी

विनय मिश्रा,
राजस्थान चुनाव प्रभारी, आप

मयंक त्यागी
प्रदेश प्रवक्ता, आप

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान की राजनीति में यह पहली बार देखा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी की सक्रियता बढ़ते ही कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने एकजुटता दिखाते हुए इस पार्टी के विस्तार को रोकने के सारे हथकंडे अपना लिए ।पंजाब और दिल्ली की राजनीति को देखते हुए दोनों पार्टियां एकजुट हो गई है और किसी भी प्रकार से आम आदमी पार्टी को राजस्थान में जगह नहीं बनाने देना चाहती।जहां राजस्थान में कांग्रेस हर जगह प्रदर्शन कर रही थी तो कानून व्यवस्था सही थी। जब आप ने ऐलान किया कि हम सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेंगे तो उन्होंने तुरंत जयपुर में और कई जिलों में धारा 144 लगा दी ।आम आदमी प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं को कार्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया गया। आप के सक्रिय होते ही राजस्थान में आप के कार्यक्रमों को रोकने का प्रयास किया जाने लगा । आप के सभी जिला मुख्यालय पर केंद्र सरकार की 'अग्निपथ योजना' के ख़िलाफ़ आम आदमी पार्टी भी सड़कों पर उतर आई।

आप के प्रदेश प्रवक्ता मयंक त्यागी ने बताया कि जयपुर, जोधपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर संभागों के सभी जिलों में जिलाधीश कार्यालय ,सांसदों के आवास के बाहर एकजुट होकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सरकार के ख़िलाफ़ हल्ला बोलते हुए देश की सेना के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ न करने की चेतावनी दी।जयपुर में बीजेपी प्रदेश कार्यालय के सामने प्रदर्शन के लिए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस बल ने धारा 144 का हवाला देते हुए रास्ते में रोक लिया और गिरफ्तार करके चाकसू थाने पर ले जाया गया। टोडाभीम में भी विरोध किया गया। आप ने प्रदर्शन में स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य के साथ धोखा किया जा रहा है इसलिए वो लोग सड़कों पर उतरे हैं। सरकार पर सवाल उठाते हुए आम आदमी पार्टी के कार्यकार्तोओं ने कहा कि देश की सुरक्षा के साथ इस कदर समझौता नहीं करने देंगे। क्या आज देश की सुरक्षा भी ठेके पर दी जाएगी ?

आम आदमी पार्टी राजस्थान के चुनाव प्रभारी विनय मिश्रा ने बताया कि राजस्थान प्रदेश के आप कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्र सरकार की 'अग्निपथ योजना' का विरोध प्रदर्शन किया गया है। जहां गहलोत सरकार की पुलिस ने कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। हम गहलोत सरकार से पूछना चाहते हैं कि कांग्रेस और बीजेपी का रिश्ता क्या कहलाता है। इसके अलावा राजस्थान कांग्रेस सरकार ने 48 भाजपाइयों पर दर्ज केस को वापस लेने की मंजूरी मांगी है। जनता पूछना चाहती है कि ऐसी क्या मजबूरी आ पड़ी कि आज कांग्रेस को भाजपा के प्रति सद्भावना व सियासी दांव खेलना पड़ रहा है।

टोडाभीम करौली

अग्निपथ योजना के विरोध में सोमवार को मदन मोहन राजौर के नेतृत्व में आप आम आदमी पार्टी टोडाभीम के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।साथ ही राष्ट्रपति के नाम उपजिला कलेक्टर टोडाभीम को ज्ञापन देकर उस योजना को वापस लेने की मांग की।

अजमेर

सेना के सम्मान में आप मैदान में आम आदमी पार्टी द्वारा केंद्र सरकार की अंबानी अडानी चौकीदार योजना 'अग्निपथ' का अजमेर आप कार्यकर्ताओं द्वारा काली पट्टी बांधकर पुरानी आरपीसी से कलेक्ट्रेट तक शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर केंद्र सरकार का पुतला फूंका गया। अजमेर संभाग कॉर्डिनेटर कीर्ति पाठक ने बताया कि जिला कलेक्टर ना होने की स्थिति में कलेक्टर ऑफ़िस के बाहर धरना देते हुए उन को ज्ञापन देने हेतु प्रतीक्षा की गयी।

जोधपुर

जोधपुर जिला मुख्यालय पर केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना के ख़िलाफ़ आम आदमी पार्टी भी सड़कों पर उतर आई। जोधपुर के जिलाधीश कार्यालय के बाहर एकजुट होकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ हल्ला बोलते हुए देश की सेना के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ न करने की चेतावनी दी। इस दौरान आप की जिला समन्वयक कल्पना चौधरी ने कहा कि किसान बिल की ही तरह अग्निवीर योजना लाकर जवानों के साथ विश्वासघात किया जा रहा हैं। रातोंरात इस योजना को देश पर थोपने का काम किया गया है।उन्होंने कहा कि ये देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। इससे देश की सेना के मान-सम्मान की घज्जियां भी उड़ाई गयी है जिसकी आम आदमी पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती हैं! जिला मीडिया समन्वयक लोकश सोनगरा ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ धोखा किया जा रहा है। इसलिए वो लोग सड़कों पर उतरे हैं। राजस्थान एक वीरभूमि है यहां की जनता कभी मोदी सरकार को माफ नहीं करेगी. साथ ही उन्होंने कहा कि 'टूर ऑफ ड्यूटी' नाम से ये योजना युवाओं के भविष्य के साथ सीधा-सीधा खिलवाड़ है।

जैसलमेर

जैसलमेर जिला आप पार्टी के कोऑर्डिनेटर गणपत सिंह के नेतृत्व में अग्निपथ के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया।

श्रीगंगानगर

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा निकाला गया रोष मार्च सैंकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

भीलवाड़ा

राष्ट्रपति के नाम सांसद सुभाष बहेड़िया को ज्ञापन देकर आम आदमी पार्टी भीलवाड़ा के कार्यकर्ताओं ने अग्निपथ योजना पर अपना विरोध दर्ज किया और इस योजना को वापस लेने की माँग की।

कोटा

केशवरायपाटन टीमअग्निपथ योजना के विरुद्ध प्रदर्शन किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **शालिनी श्रीवास्तव के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादकः हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**